RNI: UPHIN/2015/60902

राजधानी से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

www.theachivertimes.com

डाक पंजीयन संख्या

एस.एस.पी.एल.डब्लू/एन

पी.439/2015-2017

वर्ष : 9 अंक : 207

पृष्ठ : 8 मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, सोमवार, 20 नवम्बर, 2023

द अचीवर टाइम्स

एक नज़र

इंसान-बेजुबान दोनों परेशान AQI 400 पार

नई दिल्ली। दम घोंटू बनी दिल्ली हवा में लोगों का सांस लेना दूभर हो गया है। बीते चार वर्ष में दीपावली के बाद यह सप्ताह सर्वाधिक प्रदूषित दर्ज किया है। आलम यह है कि वर्ष 2019 से पहली बार दीपावली के बाद लगातार चार दिन ऐसे रहे जब वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 401 के पार रहा है। यह गंभीर श्रेणी में है। जबकि आठ वर्ष की तुलना में इस दीपावली के दिन हवा वर्ष 2016 के बाद (कोरेना काल को छोड़कर) सबसे साफ दर्ज की गई है। पड़ोसी राज्यों में पराली का धुआं, वाहनों का प्रदूषण, स्थानीय कारक व मौसमी बदलाव के चलते हवा प्रदूषित हो रही है। ऐसे में इंसान ही नहीं बेजुबान भी प्रदूषित हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। इससे स्वास्थ्य संबंधित समस्या उत्पन्न हो रही है। इस वर्ष दीपावली के दिन जहां एक्यूआई 218 दर्ज किया गया, यह खराब श्रेणी में हवा है। इसके बाद हवा की दिशा व गति बदलने से वायु गुणवत्ता नीचे गिर गई। दीपावली के बाद सबसे अधिक प्रदूषण 16 नवंबर को दर्ज किया, इस दिन एक्यूआई 419 था। वहीं, 14 नवंबर से लेकर 17 नवंबर तक लगातार एक्यूआई गंभीर श्रेणी रहा। इस दौरान लोगों ने गंभीर प्रदूषण के बीच सांस ली। 14 नवंबर को 401 के करीब रहा, 15 को 401, 16 को 419, 17 नवंबर को 405 वायु सूचकांक दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, हवा की दिशा उत्तर-पूर्व व पश्चिम से चलने से प्रदूषण बढ़ रहा है। इससे दिल्ली में प्रदूषण के स्तर में इतनी तेज बढ़ोतरी हुई है। वह कहते हैं कि दीपावली के बाद ऐसा इस वजह से हुआ है कि पहले बारिश हुई, इससे हवा में नमी का स्तर बढ़ गया। जिससे प्रदूषण बढ़ने से प्रदूषक कण और सघन हो गए हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, आंकड़ों पर नजर डाले तो पता चलता है कि वर्ष 2015 व 2022 ऐसे वर्ष थे, जब दीपावली के बाद के सप्ताह में एक भी दिन हवा गंभीर श्रेणी में दर्ज नहीं की गई। वहीं, 2021 में दीपावली के बाद तीन दिन, 2020 में दो 2019 में चार, 2018 में पांच, वर्ष 2017 में एक, वर्ष 2016 में चार दिन ऐसे थे जब हवा गंभीर श्रेणी दर्ज की गई थी।

छठी मइया क किरपा आप सब पर बनल रहे, सबकर जीवन खुशहाल रहेः सीएम योगी

आवाज प्लस डेस्क

लखनऊ। लोक आस्था के पर्व छठ पूजा पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार शाम को लक्ष्मण मेला मैदान पहुंचे। जहां वह भोजपुरी समाज के साथ छठ पूजा में शामिल हुए। इस दौरान अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभूनाथ राय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

परिवार खातिर कठिन व्रत रखे वाली माता और बहीनन के हमरे तरफ से विशेष मंगलकामना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भोजपुरी समाज को संबोधित करते हुए कहा कि छठ पूजा में आईके हमरा बड़ा आनंद महसूस हो रहल बा। सीएम योगी ने अपने अंदाज में भोजपुरी समाज को छठ के पर्व की शुभकामनाएं दी। सीएम योगी ने कहा कि लोक आस्था के महापर्व छठ के आप सब के बहुत बहुत बधाई और शुभकामना। छठी मैया की किरपा आप सब पर बनल रहे, सबकर जीवन खुशाल रहे, आप सब के जीवन में उमंग और उत्साह बनल रहे, परिवार खातिर कठिन व्रत रखे वाली माता और बहीनन के हमरे तरफ से विशेष मंगलकामना। उन्होंने कहा कि हमारा देश आस्था का देश है। यही आस्था हम सभी को उत्तर से दक्षिण, पूरब से पश्चिम पूरे भारत को एकता के सूत्र में जोड़ती है। इस आस्था ने ही विपरीत परिस्थितियों में पूरे भारत को एकजुट करके रखा है। उन्होंने कहा कि मध्यकाल में विदेशी आक्रांताओं ने धर्म स्थलों को अपवित्र और क्षतिग्रस्त किया था, लेकिन हमारी आस्था ने ही हमारी परंपरा और विरासत को संजोए रखा है। दुनिया में कई देश ऐसे हैं जिन्होंने अपना भौतिक विकास तो किया, लेकिन परंपरा और विरासत को भूल गए। आज उनके सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हुआ है। हमारा देश पर्व और त्योहारों का देश माना जाता है। देशभर में अलग-अलग क्षेत्र में अलग-अलग प्रकार की परंपराएं हैं, जो वहां की लोक आस्था के साथ विशिष्ट आयोजनों से आम जनमानस को अपने साथ जोड़ती है और पूरे देश को एकता के सूत्र में बांधती है। इसी लोक आस्था का परिणाम है कि 500 वर्षों तक राम जन्मभूमि के लिए आंदोलन और संघर्ष हुआ। अंततः विजयश्री प्राप्त हुई और जनवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमल से अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि पर भगवान श्री राम के भव्य मंदिर के निर्माण का कार्यक्रम संपन्न होने जा रहा है।

शाम 4.30 बजे तक पानी में उतर चुकीं थीं व्रती महिलाएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को छठ मेला घाट पर 4..30 बजे पहुंचना था। इससे पहले सीएम सिक्योरिटी सक्रिय हो चुकी थी। वहीं व्रती महिलाएं भी कमर तक पानी में उतर चुकी थीं। उनके हाथों में सामान को संभालने में सहयोग देने के लिए परिवार के सदस्य भी आसपास खड़े रहे। महिलाओं की सुरक्षा के लिए उनके दोनों तरफ महिला पुलिस कर्मी भी रस्सी थामे पानी में घंटों खड़ी रहीं। इस पल को कैमरों में कैद करने के लिए परिवार के लोग कैमरे, मोबाइल फोन से फोटो खींचने में व्यस्त रहे।

पति को मिली सरकारी नौकरी पत्नी ने यूं जताया छठ माता का आभार

सांझिया घाट पर पूजन के लिए पहुंचने वाली कमलेशवती ने पति की सरकारी नौकरी लगने पर छठ माता का आभार जताया और साष्टांग दंडवत करते हुए घाट पर पहुंचीं। संतोष ने संतान की कामना में दंडवत की और पूजन स्थल तक पहुंचीं। सांझिया घाट पर पूजन का आयोजन भोजपुरी छठ पूजा समिति की ओर से किया जा रहा है।

नदी तट के अलावा घरों, अपार्टमेंट, सोसाइटियों, कॉलोनियों व मोहल्लों में बने अस्थायी कुंड में लोगों ने किया पूजन

भूल चूक हमरी मईया,रखब ना दे अंगिया, देखब हे छठी मईयाज, जोड़े जोड़े फलवा सुरुज देव घटवा वे तीवई चढ़ावेले हो...गूंजते छठ गीत, चारों तरफ सजी सुशोभिताएं, बीच-बीच में होती आतिशबाजी, ढोल की धुन पर थिरकते परिवार, लोक संस्कृति की पहचान कलाकारों से सजा मंच, छठ के महापर्व में लोगों की गहरी आस्था को दर्शा रहा था। कमर तक पानी में खड़ी व्रती महिलाओं के चेहरे की चमक निराजल व्रत के तप से मानो और निखर आई हो।

जल को शुद्ध और साफ रखना हमारा दायित्व

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि छठ प्रकृति और परमात्मा के प्रति कृतिज्ञता ज्ञापित करने का पर्व है क्योंकि इस पर्व पर सभी व्रती महिलाएं सूर्य को अर्क देने के साथ नदियों में दूध भी अर्पित करती हैं। सीएम योगी ने कहा कि जल यह हमारे जीवन का प्रतीक है। हम इस जल को शुद्ध और साफ रखें, यह हमारा दायित्व बनता है। ऐसे में आयोजन के बाद आयोजकों का दायित्व बनता है कि वह खुद और प्रशासन की मदद से घाटों की नदियों के स्वच्छता कार्यक्रम से जुड़े। हमे यह भूलना नहीं चाहिये कि जल है तो जीवन है। हम सब जल और प्रकृति की शुद्धता- सौंदर्य को बनाए रखने के लिए जितना प्रयास करेंगे, वह हमारे मानव जीवन के लिए उत्तम होगा। इन सभी कार्यक्रमों के साथ हमें निरंतर जुड़ते रहना चाहिए। सीएम योगी ने अंत में कहा कि छठी मैया का आशीर्वाद आप सभी पर बनल रहे।कार्यक्रम में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, मेयर सुषमा खर्कवाल, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, विधायक योगेश शुक्ला, भाजपा नेत्री अर्पणा यादव आदि मौजूद रहे।

दोपहर से ही पहुंचने लगे श्रद्धालु

छठ मेला का मुख्य आयोजन लक्ष्मण मेला स्थल पर बने छठ घाट पर हो रहा है। सुबह से ही ठेले वालों ने अपनी-अपनी दुकानें सजा ली थीं, मंच पर कलाकार भी सक्रिय थे और छठ मइया के गीत गूंज रहे थे। पूजा के लिए श्रद्धालुओं का आना दोपहर में शुरू हो गया था। पहुंच कर पूजन की तैयारी करना, सुशोभिता को सजाना और साथ में सेल्फी लेने का सिलसिला लगातार जारी रहा। तीन बजे तक तो पूरा मेला स्थल भर चुका था। पूजन स्थल तक पहुंचने के लिए जमीन तलाशनी पड़ रही थी कि कहां पैर रख-रख कर आगे बढ़ा जाए।

सोलह सिंगार, नाके से माथे तक भरा सिंदूर और निराजल व्रत

यूपी में दर्दनाक हादसा

उन्नाव में करंट से चार भाई-बहनों की मौत घर पर अकेले थे मासूम

एजेंसी

कानपुर। देर शाम खेत से लौटकर दंपती घर पहुंचे, तो चारों एक दूसरे पर पड़े थे और उनके ऊपर पंखा (टेबल फैन) गिरा पड़ा था। सभी बच्चों की मौत हो चुकी थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर घटना की जांच कर रही है।

उन्नाव जिले में बारासगवर थाना क्षेत्र के लालमन खेड़ा गांव में पंखे का करंट लगने से चार मासूम बच्चों की मौत हो गई। चारों आपस में भाई बहन थे और घटना के समय चारों घर पर अकेले थे। उनके माता-पिता खेत में धान की फसल काटने गए थे। लालमन खेड़ा गांव निवासी किसान वीरेंद्र पासी, पत्नी के साथ खेत में धान की फसल काटने गए थे। घर में बच्चों में मयंक (9), बेटी हिमांशी (8), हिमांशु (6) और मांशी (4) थे। देर शाम खेत से लौटकर दंपती घर पहुंचे, तो चारों एक दूसरे पर पड़े थे और उनके ऊपर पंखा (टेबल फैन) गिरा पड़ा था। सभी बच्चों की मौत हो चुकी थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर घटना की जांच कर रही है।

दक्षिणी लाल सागर में मालवाहक जहाज हाईजैक

जहाज तुर्किये से भारत आ रहा था

एजेंसी

तेल अवीव। तुर्किये से रवाना हुआ जहाज भारत आ रहा था। हालांकि, इस्राइल और हमास के संघर्ष के बीच इस चौंकाने वाली घटना में दक्षिण लाल सागर में जहाज हाईजैक कर लिया गया। इस्राइली रक्षा बलों के अनुसार इस जहाज पर कई देशों के नागरिक सवार हैं।

इस्राइली रक्षा बलों ने बताया है कि दक्षिणी लाल सागर में यमन के पास हूती विद्रोहियों ने एक मालवाहक जहाज हाईजैक किया। इस पर कई देशों के नागरिक थे। तुर्किये से रवाना हुआ जहाज भारत आ रहा था। IDF ने कहा कि इस घटना के वैश्विक परिणाम होंगे। इस्राइली सेना ने साफ किया कि इस बहुत ही गंभीर घटना में जहाज पर कई देशों के नागरिकों की मौजूदगी है, जिसे ईरान ने निशाना बनाया है। आईडीएफ ने कहा, यह इस्राइली जहाज़ नहीं है। इस्राइल के प्रधानमंत्री के कार्यालय ने ट्वीट किया, इस्राइल एक अंतरराष्ट्रीय जहाज के खिलाफ ईरानी हमले की कड़ी निंदा करता है।

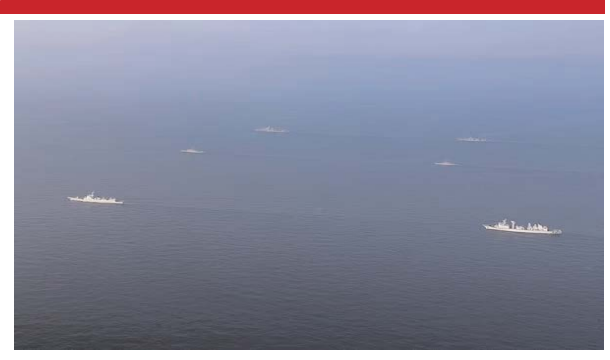

धमकी देने के बाद जहाज हाईजैक, ईरान की भूमिका

जहाज के बारे में इस्राइल ने कहा कि यह एक ब्रिटिश कंपनी के स्वामित्व वाला जहाज है। जिसका संचालन जापानी फर्म करती है। इसे यमनाइट हूती मिलिशिया ने ईरान के मार्गदर्शन में हाईजैक कर लिया। जहाज का नाम गैलेक्सी लीडर है। इस व्हीकल कैरियर का आंशिक स्वामित्व एक इस्राइली कंपनी के पास भी माना जाता है। शुरुआती खबरों के अनुसार, यमन के पास हूती विद्रोहियों ने जहाज हाईजैक किया। खबरों के अनुसार विद्रोहियों ने पहले ही इस्राइल से जुड़े जहाजों को निशाना बनाने की धमकी दी थी।

जहाज पर इस्राइली नागरिक सवार नहीं

इस्राइल के बयान से इतर खबरों में यह भी कहा जा रहा है कि जटिल स्वामित्व संरचनाओं के कारण जहाज का स्वामित्व निर्धारित करना कठिन है। चालक दल की राष्ट्रीयता का पता नहीं लगाया जा सका है। हालांकि, इस्राइल का दावा है कि जहाज पर कोई भी इस्राइली नागरिक सवार नहीं है। लाल सागर में जहाज की हाईजैकिंग को वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण घटना के रूप में देखा जाता है। इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी बयान में कहा गया कि ईरान ने अंतरराष्ट्रीय जहाज पर आक्रामक कार्रवाई की है।

हलाल प्रमाण पत्र जारी करने में फर्जीवाड़ा

कंपनियों पर केस, राष्ट्र विरोधी साजिश का आरोप हुई एफआईआर

एजेंसी

लखनऊ। आरोप है कि इसमें राष्ट्र विरोधी साजिश रचने और आतंकवादी संगठनों को फंडिंग करने वाले लोग शामिल हैं। इंस्पेक्टर हजरतगंज विक्रम सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर धोखाधड़ी, साजिश रचने, कूटरचित दस्तावेज तैयार करने, आपसी सौहार्द बिगाड़ने के प्रयास जैसी धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है।

हलाल प्रमाण पत्र को लेकर हजरतगंज थाने में एक एफआईआर दर्ज की गई है। जिसमें प्रमाण पत्र जारी करने वाली चार कंपनियों, राष्ट्र विरोधी साजिश रचने वालों , आतंकी संगठनों को फंडिंग करने वाले अज्ञात व अन्य को आरोपी बनाया गया है। आरोप है कि उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए कंपनियां फर्जीवाड़ा कर हलाल प्रमाण पत्र जारी कर रही हैं। एक विशेष वर्ग को प्रभावित कर आर्थिक लाभ लेने की साजिश बताया गया है। पुलिस अब प्रकरण की तफ्तीश कर रही है। ऐशबाग निवासी भाजपा के अवध क्षेत्र के पूर्व अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार शर्मा के मुताबिक जिन उत्पादों (खासकर शाकाहारी) में हलाल प्रमाण की जरूरत नहीं होती है। वह भी हलाल प्रमाण पत्र ले रही है। ये पूरा फर्जीवाड़ा उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। शैलेंद्र के मुताबिक इससे जन आस्था से खिलवाड़ कर एक समुदाय विशेष को प्रभावित किया जा रहा है। आरोप है कि इसमें राष्ट्र विरोधी साजिश रचने और आतंकवादी संगठनों को फंडिंग करने वाले लोग शामिल हैं। इंस्पेक्टर हजरतगंज विक्रम सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर धोखाधड़ी, साजिश रचने, कूटरचित दस्तावेज तैयार करने, आपसी सौहार्द बिगाड़ने के प्रयास जैसी धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है।

एक हारे सब हारे, अरमान रह गये अधूरे सारे

ढह गई बल्लबाजी, बेअसर हुई गेंदबाजी, कंगारू मार ले गये बाजी

एजेंसी

अहमदाबाद। इस मैच में शुरुआती कुछ ओवरों में जरूर सीम और स्विंग देखने को मिली, लेकिन 15 ओवर के बाद ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज पूरी तरह जम गए। ट्रेविस हेड ने शानदार शतक और मार्नस लाबुशेन ने अर्धशतक लगाया औ भारतीय गेंदबाजों को पूरी तरह बेअसर कर दिया। हम आपको हार के 10 कारणों के बारे में बता रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर वनडे विश्व कप 2023 का खिताब जीत लिया है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम 240 रन पर सिमट गई। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 43 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम इंडिया जिस गेंदबाजी के दम पर फाइनल तक पहुंची थी, वही गेंदबाजी फाइनल में बेअसर दिखी। न सिर्फ गेंदबाजी बल्कि बल्लेबाजी में भी भारतीय खिलाड़ी फ्लॉप हुए। भारतीय गेंदबाजों ने जहां इस मैच से पहले तक पूरे विश्व कप में विपक्षी टीम को अपनी सीम और स्विंग से परेशान किया था, इस मैच में शुरुआती कुछ ओवरों में जरूर सीम और स्विंग देखने को मिली, लेकिन 15 ओवर के बाद ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज पूरी तरह जम गए। ट्रेविस हेड ने शानदार शतक और मार्नस लाबुशेन ने अर्धशतक लगाया औ भारतीय गेंदबाजों को पूरी तरह बेअसर कर दिया।

भारतीय पारी कैसे ढह गई?

दरअसल, ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था। कमिंस ने पिच को बेहतर तरीके से जाना और भारत को बल्लेबाजी का न्योता दिया। इसका फायदा उठाते हुए उन्होंने भारतीय बल्लेबाजों को जमने नहीं दिया। रोहित शर्मा ने जरूर शुरू में कुछ आक्रामक शॉट लगाकर भारत को तेज शुरुआत दिलाई, लेकिन पांचवें ओवर में शुभमन गिल का गलत शॉट खेलकर आउट होने से वह भी दबाव में आ गए। रोहित जब दूसरी छोर से बड़े शॉट खेल रहे थे, ऐसे में शुभमन ने उन्हें स्ट्राइक देने की बजाय बड़ा शॉट लगाने की कोशिश की और मिड ऑन पर कैच आउट हो गए। शुभमन सिर्फ सात गेंद में चार रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद रोहित भी बड़े शॉट के चक्कर में अपना विकेट गंवा बैठे। वह 31 गेंद में 47 रन बनाए। इस पारी में उन्होंने चार चौके और तीन छक्के लगाए। 76 रन पर भारत ने दो विकेट गंवा दिए थे।

ऑस्ट्रेलियाई पारी में क्या हुआ

ऑस्ट्रेलियाई पारी की शुरुआत तो खराब रही। भारतीय तेज गेंदबाजों ने स्विंग कराई। इसमें डेविड वॉर्नर, मिचेल मार्श और स्टीव स्मिथ फंस गए, लेकिन ट्रेविस हेड ने सूझबूझ से बल्लेबाजी की। वहीं, मार्नस लाबुशेन ने धीमी पारी खेली लेकिन हेड का बखूबी साथ निभाया। हेड ने 120 गेंद में 15 चौके और चार छक्के की मदद से 137 रन की पारी खेली। वहीं, लाबुशेन 110 गेंद में 58 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों के बीच 192 रन की साझेदारी निभाई। भारत के लिए बुमराह ने दो और शमी को एक विकेट मिला। इस तरह भारतीय टीम तीसरी बार खिताब जीतने से चूक गई। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने छठी बार खिताब अपने नाम किया।

श्रेयस की लापरवाही भरी बल्लेबाजी

ऐसे में मैदान पर आए दो नए बल्लेबाज श्रेयस अय्यर और विराट कोहली का काम पारी को संभालना था और स्ट्राइक को रोटेट करना था, लेकिन कमिंस ने श्रेयस को लेंथ बॉल पर विकेटकीपर के हाथों कैच कराया। पिछले दो मैचों में शतक लगाने वाले श्रेयस चार रन बनाकर सस्ते में निपट गए। 81 रन तक टीम इंडिया ने तीन विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद विराट ने केएल राहुल के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 67 रन की साझेदारी निभाई। ऐसा लग रहा था कि ये दोनों बल्लेबाज टिकने लगे हैं और अब रन रेट बढ़ाएंगे। तभी कमिंस ने विराट को बोल्ड कर दिया। वह 63 गेंद में चार चौके की मदद से 54 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद तो पुछल्ले बल्लेबाज आना शुरू हो गए। राहुल ने जरूर अर्धशतक लगाया, लेकिन जैसे ही रन रेट बढ़ाने की बारी आई, अपना विकेट फेंक कर चलते बने। उन्हें स्टार्क ने विकेटकीपर इंग्लिस के हाथों कैच कराया।

पुछल्ले बल्लेबाज कुछ कमाल नहीं दिखा सके

रवींद्र जडेजा (9) को हेजलवुड, मोहम्मद शमी (6) और जसप्रीत बुमराह (1) को जाम्पा ने एल्बीडब्ल्यू आउट किया। सूर्यकुमार यादव से उम्मीद थी कि वह कुछ रन बनाएंगे। उन्हें पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ बैटिंग करने को मिला, लेकिन सूर्या खुद स्ट्राइक लेने की बजाय पुछल्ले बल्लेबाजों को स्ट्राइक देने में ज्यादा यकीन रख रहे थे। कई मौकों पर उन्हें ओवर की आखिरी गेंद पर सिंगल लेते देखा गया और शमी-कुलदीप फिर से अगले ओवर में स्ट्राइक लेते दिखे। आखिरी में सूर्या (18) भी विकेट फेंक कर पवेलियन लौट गए। भारतीय टीम इस विश्व कप में पहली बार ऑलआउट हुई। जहां भारत ने शुरुआती 10 ओवर में दो विकेट गंवाकर 80 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने नौ चौके और तीन छक्के लगाए थे। वहीं, 11 से 40 ओवर के बीच भारत ने तीन विकेट गंवाए और 117 रन बनाए। इस दौरान उनका स्कोरिंग रेट 3.9 का था। भारत ने 11 से 40 ओवर यानी 30 ओवरों में सिर्फ दो चौके लगाए। यह विश्व कप 2023 में 11 से 40 ओवर के बीच में किसी टीम द्वारा लगाए गए सबसे कम चौके हैं। इन 30 ओवरों में भारत इस विश्व कप में पहली बार कोई छक्का लगाने में कामयाब नहीं हो सका। 11 से 40 ओवर के बीच सबसे महंगा ओवर 10 रन का रहा जो 39वें ओवर में आया।

भारत संकल्प यात्रा के दौरान लाभार्थीपरक योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करायें:-डीएम

उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाए: एम0पी0 सिंह

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। विकास भवन स्थित स्वर्ण जयंती सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में विकसित भारत संकल्प यात्रा के आयोजन के संबंध में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान लाभार्थीपरक योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर ली जाए। उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाए। नोडल अधिकारी अपने दायित्वों का पूरी तरह से निर्वहन सुनिश्चित करें। कुल 11 एलईडी वैन में से प्रत्येक वैन एक दिन में दो ग्रामों में जाएगी। प्रधानों व कोटेदारों व अन्य ग्राम स्तरीय कर्मचारियों के साथ बैठक कर ली जाए। वैन के रूट के अनुसार कार्यक्रम की रूपरेखा तय कर ली जाए। कार्यक्रम स्थल पर राजस्व, सहकारिता, महिला एवं बाल कल्याण विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, बैंक, कृषि, स्वास्थ्य, पशुपालन, आपूर्ति एवं विपणन, नेहरू युवा केन्द्र आदि के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। एलईडी वैन रुट वाले ग्रामों में बैठक कर ली जाए। ब्लॉक स्तर पर कार्यक्रम के संबंध में होर्डिंग लगवाई जाए। प्रत्येक कार्यक्रम स्थल पर टेन्ट आदि की व्यवस्था की जाए। कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये जायें। अच्छा कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया जाए। कार्यक्रम के प्रारंभ में माननीय प्रधानमंत्री जी के संदेश को प्रसारित किया जाए। लाभार्थियों से उनके अनुभवों के बारे में जाना जाए। रासायनिक उर्वरकों के वैकल्पिक उर्वरकों व नैनो यूरिया का प्रचार-प्रसार किया जाए। बेसिक शिक्षा विभाग विद्यालयों के बच्चो की प्रभात फेरी निकालेगा। प्रत्येक कार्यक्रम स्थल में बच्चों से सरस्वती वंदना करायी जाए। दो सांस्कृतिक कराए जाएं। प्रत्येक कार्यक्रम स्थल पर गरिमामयी ढंग से तिरंगा झंडा लगवाया जाए। बैंक प्रत्येक ग्राम में संबंधित बैंक का स्टॉल लगवाएं। बैको के स्टॉल से कृषकों की ईकेवाईसी आदि समस्याओं का समाधान कराया जाए। रोजगार व व्यवसाय के लिए ऋण प्राप्त करने वाले लाभार्थियों को भी कार्यक्रम में भागीदार बनाया जाए। किसान सम्मान निधि के कम से कम 50 लाभार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। पाँच प्रगतिशील किसानों को कार्यक्रम में बुलाया जाए। मृदा परीक्षण की व्यवस्था की जाए। एफपीओ के द्वारा प्रदर्शनी लगायी जाए। कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल लगवाये जाएं। स्टॉल पर चिकित्सा परीक्षण की व्यवस्था की जाए। गाँव मे सैनिटरी पैड का वितरण कराया जाए। आयुष्मान कार्ड के वितरण की व्यवस्था की जाए। लाभार्थियों के अनुभवों को आमजन के साथ साझा किया जाए। पशुपालन विभाग व अन्य महत्वपूर्ण विभागों के स्टॉल भी लगवाये जाएं। कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी, अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी रोहताश कुमार व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पर्यावरण स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति जागरूक हो अपनी प्रतिभा निखारेंगे विद्यार्थी: पवन सिंह

एन आर एल सी ट्रेनिंग संस्थान जानकीपुरम में होगा 3 दिवसीय विद्यार्थी प्रतिभा उत्सव

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। विद्यार्थी प्रतिभा उत्सव के दौरान विद्यार्थी पर्यावरण, स्वास्थ्य, शिक्षा , आत्मनिर्भर भारत के महत्व के प्रति जागरूक हो अपनी प्रतिभा निखारेंगे ये वक्तव्य सीतापुर से विधानपरिषद पवन सिंह चौहान ने विद्यार्थी प्रतिभा उत्सव की कोर टीम के सदस्यों से बैठक के पश्चात दिये बैठक में उपस्थित जनविकास महासभा के अध्यक्ष पंकज कुमार तिवारी प्रदेश मंत्री अजय यादव शोभा फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल एवं अंकेश सिंह चौहान उपस्थित रहे, बैठक में पंकज तिवारी ने विद्यार्थी प्रतिभा उत्सव की जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम एन आर एल सी ट्रेनिंग संस्थान सहारा स्टेट रोड जानकीपुरम में 22,23 एवं 24 दिसम्बर 2023 को आयोजित होगा विद्यार्थी प्रतिभा उत्सव का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण एवं जल संरक्षण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा, आत्मनिर्भर भारत के महत्व के प्रति जागरूक करते हुये उन्हें उनकी प्रतिभा प्रदर्शन के लिये प्रेरित करना है इसके लिये विद्यार्थी प्रतिभा उत्सव में आर्ट/ड्रॉइंग गैलरी, कबाड़ से जुगाड़ के अंतर्गत वेस्ट मेटेरियल से बनाएं गये उत्पादों की प्रदर्शनी कैरियर मार्गदर्शन, इत्यादि के साथ विद्यार्थियों को नृत्य गायन संगीत की प्रतिभा प्रदर्शन हेतु मंच उपलब्ध कराया जायेगा कार्यक्रम की शुरुआत पौधरोपण के साथ शुरू की जायेगी।

एक नज़र

बदमाशों ने महिला को बंधक बना कर की दो लाख की लूट, इलाके में सनसनी

द अचीवर टाइम्स फसाद खान, हरदोई। बदमाशों ने महिला को उसी के घर में बंधक बना कर बहू का माल-ज़ेवर और नगदी लूट ली। कासिमपुर थाने के नेवादा नरपत गांव में हुई इस वारदात से सनसनी फैल गई। पुलिस सारे मामले की गहराई से छानबीन कर रही है। बताया गया है कि नेवादा नरपत की राजरानी घर में अकेली रहती है। उसके दो बेटे हैं और दोनों बेटे बाहर नौकरी करते हैं। बताते हैं कि शनिवार को राजरानी अपने घर में थी,उसी बीच बदमाश बड़े ही शातिरपन से उसके घर में दाखिल हो गए। उन्होंने घरेलू कामकाज निपटाने के बाद आराम कर रही राजरानी को बंधक बना लिया। इसके बाद बड़े ही इत्मिनान के साथ वहां रखा माल-ज़ेवर और नगदी सब कुछ समेट लिया। बदमाश तकरीबन दो लाख की लूट करने के बाद वहां से निकल भागे। बताते हैं कि कुछ माल-ज़ेवर राजरानी की बहू का भी था,जो वह उसके पास रखा गई थी। इसका पता होते ही सारे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस का कहना है कि सारे मामले की गहराई से छानबीन और वारदात से जुड़े पहलुओं पर जांच की जा रही है।

राष्ट्रीय एकता मंच की बैठक का हुआ शुभारंभ

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

शाहजहांपुर, सेहारामऊ दक्षिणी। राष्ट्रीय एकता मंच की पहली बैठक का आयोजन अनूप कुमार गुप्ता के द्वारा खिरनी बाग रामचरण धर्मशाला मैं रखा गया । जिसमें आए राष्ट्रीय अध्यक्ष/ संस्थापक सर्वेश चंद्र मिश्रा ÷धांधू÷ एडवोकेट ने बैठक की शुरुआत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय एकता मंच एक सामाजिक संगठन है। यह संगठन किसी जाति विशेष का नहीं है। बल्कि एकता का प्रतीक है इस संगठन के माध्यम से गरीब असहाय लोगों की मदद की जाएगी और हर मुसीबत व मुश्किल भक्ति संगठन के सभी पदाधिकारी एक दूसरे का साथ देंगे। बैठक में उपस्थित रहे जिला अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह एडवोकेट, जिला उपाध्यक्ष अक्षय तिवारी, जिला महासचिव राहुल दुबे, मीडिया प्रभारी रामवीर सिंह कनौजिया, अमित कुमार पासवान, दीपू सिंह सोमवंशी संदीप गौतम, अंकुर मिश्रा, संजय वर्मा, कौशल कुमार दिनकर, अरुण सिंह, निखिल ,मधुसूदन ,श्रवण कुमार ,सुशीला देवी, सौरभ सिंह तोमर आदि लोग मौजूद रहे।

शाहजहांपुर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा पुलिस लाइन में थाना प्रभारी व कर्मचारीगण को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा पुलिस लाइन में जिसमे अपर पुलिस महानिदेशक बरेली जोन,अपर पुलिस अधीक्षक नगर,अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण थाना प्रभारी व कर्मचारीगण को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गये। बही सागर मल्लाह और धन सिंह मुखिया जैसे पांच इनामी अपराधियों को एनकाउंटर में ढेर करने वाले थाना प्रभारी सिंधौली महेंद्र सिंह को कप्तान अशोक कुमार मीणा ने आईजीआरएस में छठी बार पहले रैंक लाने पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

राष्ट्रीय लोधी बौद्धिक संगठन के तत्वाधान में छात्र - छात्राओं को किया गया सम्मानित

द अचीवर टाइम्स मुकेश राजपूत

उन्नाव । निराला प्रेक्षागृह उन्नाव में राष्ट्रीय लोधी बौद्धिक संगठन के तत्वावधान में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संयुक्त सचिव आईएएस एन बीएस राजपूत ने लोगों को सम्बोधित किया।मां सरस्वती, वीरांगना अवंती बाई लोधी और गुलाब सिंह लोधी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रवज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर आयोजक छात्र-छात्राओं सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे। दिनांक 19 नवंबर 2023 रविवार को उन्नाव स्थित कलेक्ट्रेट के सामने निराला प्रेक्षागृह में राष्ट्रीय लोधी बौद्धिक संगठन उन्नाव के तत्वावधान में लोधी समाज के प्रतिभा शाली बच्चों का करियर गाइडेंस एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संयुक्त सचिव आईएएस एनबीएस राजपूत ने लोगों को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि उच्च अधिकारी बनने के लिए धन कोई मायने नहीं रखता। गरीब तबके के लोग लालटेन की रोशनी स्टेशन के वाई-फाई से आनलाईन और खेतों में भी अपनी पढाई कर सकते हैं। बस उनको चार चीजों को अपने जीवन में उतारना होगा। जो कहीं खरीदने व मांगने से नही मिलते हैं। वह है आत्म विश्वास, कठिन परिश्रम,अनुसाशन और धैर्य जो पैसे से नहीं मिलते। उन्होंने ने अपने जीवन पर चर्चा करते हुए कहा कि मैं भी किसान के घर से हूँ दीपक की रोशनी में भर्ती कराया शिक्षा ग्रहण की है। वहीं मौजूद छात्रों से उच्च शिक्षा के विषय में अपने अनुभव साझा किया। इससे पहले मां सरस्वती, अवंती बाई लोधी और शहीद गुलाब सिंह लोधी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रवज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम को मुख्य रूप से भूपेंद्र सिंह कासगंज, राम लखन लोधी, लक्ष्मी लोधी, सुनीता सिंह एवं चकबंदी के पीसीएस बृज बिहारी लोधी, रमेश चंद्र एडवोकेट, गोविंद सिंह राजपूत, सुधीर राजपूत स्ष्ठ श्र देवेंद्र कुमार प्रवक्ता, शिवदत्त प्रवक्ता, गोविंद शास्त्री, बच्चों का मार्गदर्शन किया कार्यक्रम आयोजक डॉक्टर जयनारायण लोधी, संयोजक बृजेश वर्मा, सह संयोजक बसंत लाल लोधी संचालन राज एडवोकेट ने किया।

निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पूरी तरह अनुपालन सुनिश्चित किया जाए: डीएम

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में मतदाता पुनरीक्षण कार्य के संबंध में ईआरओ व एईआरओ की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों से अपने समक्ष पोर्टल खुलवाया तथा फॉर्म 6, फॉर्म 7 व फॉर्म 8 भरने की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्राप्त आवेदनों का ससमय निस्तारण कराया जाए तथा ऑनलाइन फीडिंग सुनिश्चित की जाए। समस्त ईआरओ समस्त एईआरओ के कार्यो की निगरानी करते रहें। बूथ पर तैनात बीएलओ से लगातार संवाद करते रहें। जिलाधिकारी ने ईआरओ से निर्वाचन से संबंधित विभिन्न सवाल पूंछे। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पूरी तरह अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। स्वयं आयोग के निर्देशों को पढ़ें तथा जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले बीएलओ तक निर्देशों को पहुंचाएं। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अस्थाई घाटों का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कर लिया जाए: जिलाधिकारी

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में राजकीय मेला बेरिया घाट के आयोजन के संबंध में बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि अस्थाई घाटों के निर्माण का कार्य शीघ्र पूर्ण कर लिया जाए। मेला आयोजन स्थल पर पेयजल व शौचालय आदि की उचित व्यवस्था करायी जाए। पानी के टैंकर रखे जाएं। पार्किंग की व्यवस्था उचित स्थान पर की जाए। सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए। पर्याप्त संख्या में गोताखोरों की व्यवस्था की जाए। कार्यक्रम स्थल पर प्रकाश आदि की व्यवस्था की जाए। सफाई की उचित व्यवस्था की जाए। एम्बुलेंस को तैनात रखा जाए। अग्निशमन की उचित व्यवस्था की जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह, अधिशासी अभियंता शारदा नहर अखिलेश गौतम व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सभागार का निर्माण शीघ्र पूरा करायें और सीटिंग व्यवस्था सुविधाजनक रखी जाए: डी0एम0

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने आज कलेक्ट्रेट परिसर में निर्माणाधीन सभागार कक्ष का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य जल्द पूरा किया जाए। सभागार में सीटिंग व्यवस्था सुविधाजनक रखी जाए। फाल्स सीलिंग का कार्य जल्द प्रारंभ किया जाए। एक्जॉस्ट की उचित व्यवस्था रखी जाए। परिसर में स्थित पुराने जेनरेटर रूम के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जल्द की जाए। इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार आदि उपस्थित रहे।

उद्यान मंत्री ने छठ पूजा पर लोगों को दी बधाई

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने अपने निवास पर जनता दरबार लगाकर लोगों की समस्याएं सुनी एवं संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण हेतु निर्देशित करते हुए कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जाए, उन्होंने कहा कि जनहित सर्वोपरि रहे, इसका ध्यान रखा जाए। इसके उपरांत उद्यान मंत्री ने जिला उद्यान कार्यालय परिसर में चल रहे निर्माणाधीन कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान कार्य को समय से पूर्ण करने एवं कार्य की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। छठ पूजा के अवसर पर उद्यान मंत्री ने लोगों को बधाई दी और राजघाट पर जाकर छठ पूजा में शामिल हुए और लोगों के लिए मंगल कामना की।

पी जी आई में दस वर्षों से मनाया जाता है छठ का महापर्व

महाभारत काल से हुई थी छठ पर्व की शुरुआत

संवादाता रघुनाथ सिंह द अचीवर टाइम्स

लखनऊ। उत्तर प्रदेश और खासकर बिहार में छठ का विशेष महत्व है। छठ सिर्फ एक पर्व नहीं है, बल्कि महापर्व है, जो पूरे चार दिन तक चलता है। नहाए-खाए से इसकी शुरुआत होती है, जो डूबते और उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर समाप्त होती है।

छठ का पौराणिक महत्व

इन कथाओं के अलावा एक और किवदंती भी प्रचलित है। पुराणों के अनुसार, प्रियव्रत नामक एक राजा की कोई संतान नहीं थी। इसके लिए उसने हर जतन कर कर डाले, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। तब उस राजा को संतान प्राप्ति के लिए महर्षि कश्यप ने उसे पुत्रयेष्टि यज्ञ करने का परामर्श दिया। यज्ञ के बाद महारानी ने एक पुत्र को जन्म दिया, लेकिन वह मरा पैदा हुआ। राजा के मृत बच्चे की सूचना से पूरे नगर में शोक छा गया। कहा जाता है कि जब राजा मृत बच्चे को दफनाने की तैयारी कर रहे थे, तभी आसमान से एक ज्योतिर्मय विमान धरती पर उतरा। इसमें बैठी देवी ने कहा, मैं षष्ठी देवी और विश्व के समस्त बालकों की रक्षिका हूं। इतना कहकर देवी ने शिशु के मृत शरीर को स्पर्श किया, जिससे वह जीवित हो उठा। इसके बाद से ही राजा ने अपने राज्य में यह त्योहार मनाने की घोषणा कर हिंदू मान्यता के मुताबिक, कथा प्रचलित है कि छठ पर्व की शुरुआत महाभारत काल से हुई थी। इस पर्व को सबसे पहले सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्य की पूजा करके शुरू किया था। कहा जाता है कि कर्ण भगवान सूर्य के परम भक्त थे और वो रोज घंटों तक पानी में खड़े होकर उन्हें अर्घ्य देते थे। सूर्य की कृपा से ही वह महान योद्धा बने। आज भी छठ में अर्घ्य दान की यही परंपरा प्रचलित है। इस कार्यक्रम के मुख्य आयोजक पी जी आई के वरिष्ठ स्वच्छता अधिकारी ओमप्रकाश एवं अजय कुमार रीतू शिल्पी पाण्डे अर्चना निशा यादव डॉ. गौरव मिष्ठी तथा काफ़ी संख्या में पीजी आई का स्टाफ़ भी मौजूद रहा।

भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेई प्रक्षाग्रह बिजली पुरा मंत्री सुरेश कुमार खन्ना की अध्यक्षता में समिति की बैठक संपन्न हुई

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

शाहजहांपुर। माननीय सुरेश कुमार खन्ना, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री, उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई प्रेक्षा गृह, बिजली पूरा, शाहजहांपुर समिति की बैठक संपन्न हुई। प्रेक्षा ग्रह की समिति में जिलाधिकारी शाहजहांपुर अध्यक्ष, नगर मजिस्ट्रेट शाहजहांपुर सचिव नियुक्त किए गए। इसके अतिरिक्त अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, परियोजना प्रबंधक सी एंड डी एस,उत्तर प्रदेश, जल निगम शाहजहांपुर, क्षेत्राधिकार नगर शाहजहांपुर, अधिशासी अभियंता जल निगम शाहजहांपुर, अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड द्वितीय शाहजहांपुर पदेन सदस्य नियुक्त किए गए। प्रेक्षा ग्रह को जन सामान्य से सीधे जोड़ने के उद्देश्य से जनपद के व्यापारी वर्ग एवं सामाजिक वर्ग से प्रेक्षा ग्रह समिति के आजीवन सदस्य के रूप में माधव गोपाल अग्रवाल, डॉ उपेंद्र देव कपूर, डॉक्टर परविंदर सिंह, चंद्रशेखर खन्ना, हितेश अग्रवाल, अनुज देव, श्री राजेंद्र सिंह, इंजीनियर इकबाल हुसैन, राजाराम वर्मा, विवेक तुली, दीपक शर्मा डॉ आकाश श्रीवास्तव को सम्मिलित किया गया है। बैठक में प्रेक्षा ग्रह को सामाजिक कार्यों जैसे विवाह समारोह, जन्म दिवस पार्टी, प्रीति भोज, मनोरंजन पूर्ण कार्यक्रम, नाट्य समारोह, सरकारी कार्यक्रमों आदि के लिए प्रयोग में ले जाने हेतु प्रेक्षा ग्रह के रखरखाव के लिए अनुरक्षण शुल्क निर्धारित किया गया। अनुरक्षण शुल्क में हल हेतु विवाह समारोह के लिए 75000 रुपए अन्य छोटे सामाजिक कार्य जैसे जन्मदिवस पार्टी प्रीति भोज आदि के लिए 35000 रुपए मनोरंजन पूर्ण कार्यक्रमों के लिए 12000 रूपये प्रतिदिन, सामान्य कार्यक्रमों हेतु 10000 रूपये प्रतिदिन निर्धारित किया गया है। प्रेक्षा गृह में दो मिनी हाल है जिनका अनुरक्षण शुल्क रुपए 2000 प्रतिदिन प्रति हॉल निश्चित किया गया है। प्रेक्षा ग्रह में पार्किंग की समुचित व्यवस्था की गई है। माननीय मंत्री जी द्वारा बैठक में कहा गया कि यह प्रेक्षा गृह जनपद वासियों के लिए एक धरोहर है जिसका अधिक से अधिक प्रयोग हो सके इसका विशेष ध्यान रखते हुए बहुत ही कम शुल्क निर्धारित किया गया है ताकि इसका उपयोग समाज के सभी वर्ग बहुत सुगमता से कर सकें और इसका रखरखाव भी भली प्रकार हो सके जिलाधिकारी महोदय द्वारा मंत्री को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आश्वास्त किया गया की परीक्षा ग्रह का समुचित रखरखाव किया जाएगा तथा इसको जन उपयोगी बनाए जाने की दिशा में और अधिक प्रयास करते हुए इसका व्यापक प्रचार प्रचार भी किया जाएगा। अंत में अपर जिलाधिकारी प्रशासन द्वारा बैठक में उपस्थित सभी जनों का आभार प्रकट किया गया। बैठक में प्रेक्षाग्रह समिति के सभी सदस्य एवं अपर जिलाधिकारी प्रशासन, नगर मजिस्ट्रेट,अपर नगर आयुक्त, शाहजहांपुर, अधीक्षण अभियंता विद्युत आदि अधिकारी गण उपस्थित रहे।

बीमारी के चलते युवक ने किया आत्महत्या

द अचीवर टाइम्स अभिषेक राजपूत

अतरौली। थाना क्षेत्र के अंतर्गत रसलवा गांव में लंबी बीमारी के चलते व मानसिक स्थिति ठीक ना होने के कारण ,सालिक राम पुत्र मांगू ,ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली शालिक राम अकेला ही कमाने वाला था और घर की स्थिति बहुत ही कमजोर है शालिक राम के दो लड़के व दो लड़कियां अविवाहित हैं घर की स्थिति बहुत ही खराब है अतरौली पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए शव को भेजा हुआ है।

शुक्लागंज में किसानों की समस्याओं को लेकर किसानों के समाधान के विषय में चर्चा

द अचीवर टाइम्स मुकेश राजपूत

उन्नाव। शुक्लागंज में जे0पी0एस गैलेक्सी गेस्ट हाउस के हाल में किसान आंदोलन के जिला तहसील ब्लाक एवं ग्राम पंचायत स्तर के प्रमुख पदाधिकारीयों की बैठक हुई जिसमें बड़ी संख्या में पदाधिकारीयों ने भाग लिया इस मौके पर कई नए पदाधिकारीयों की भी नियुक्ति की गई ।बैठक में संगठन विस्तार एवं किसानों की समस्याओं को लेकर उनके समाधान के लिए गांव-गांव में किसान कार्यालय खोले जाने व जिला स्तर पर किसान कार्यालय सम्मेलन आयोजित करने और ट्रांस गंगा सिटी के किसानों को समझौते के अनुसार निशुल्क प्लांट एवं शेष धनराशि दिलाने की पहल करने का निर्णय लिया गया इस मौके पर किसान आंदोलन के प्रदेश संयोजक अजय अनमोल जी ने कहा किसानों को संगठित करने और उनके हक की लड़ाई लड़ने वाले सभी पदाधिकारी बधाई के पात्र हैं किसानों के बेटों को नेतृत्व की भूमिका में आगे आना चाहिए तभी किसनों को उचित सम्मान मिलेगा और उनकी तकलीफें दूर होगी उन्होंने कहा किसाने हित के लिए जहां-जहां भी किसानों के हित के लिए आवश्यकता होगी एवं जहां भी किसानों का शोषण होता वहां पर किसान आंदोलन किया जाएगा किसानों के मांन सम्मान पर कभी भी आंच नहीं आने दी जाएगी कार्यक्रम में नए नियुक्त पदाधिकारीयों को नियुक्त पत्र प्रदान किये गए एवं कार्यक्रम में आए सभी पदाधिकारी का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष सुभाष वर्मा , जिला सचिव प्रदीप निषाद , जिला कोषाध्यक्ष राजू वर्मा ,जिला संगठन मंत्री करन त्रिवेदी , लल्लन शर्मा , तहसील अध्यक्ष कल्याण सिंह राजपूत , तहसील उपाध्यक्ष बलबीर रावत ब्लॉक अध्यक्ष बिछिया गोविंद राजपूत जी ब्लॉक प्रभारी सिकंदरपुर संतोषी श्री दीप चंद्र बीडीसी एवं ब्लॉक सचिव सिकंदरपुर सरोसी से अजय कुमार वर्मा ने भी किसान आंदोलन के प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक को सम्बोधित किया।

गरीब, बेसहारा व विकलांग बच्चों को दे रहे निशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण

❖ आत्मनिर्भर बनाने के लिए वर्षा ग्रुप एवं कंप्यूटर क्लासेस भिटरिया का उल्लेखनीय योगदान

संवाददाता

राम सनेहीघाट बाराबंकी। गरीब छात्रों तथा छात्राओ के साथ ही विकलांग एवं निराश्रित बच्चों को निशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण के साथ ही उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए वर्षा ग्रुप एवं कंप्यूटर क्लासेस भिटरिया द्वारा उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक वर्षा ग्रुप एवं कंप्यूटर क्लासेस भिटरिया चौराहा पर स्थित कंप्यूटर प्रशिक्षण संस्थान द्वारा गरीब बेसहारा तथा विकलांग बच्चों को निशुल्क प्रशिक्षण देने का कार्य किया जा रहा है संस्था के प्रबंधक रामशरण मौर्य ने बताया कि विकलांग छात्रों के लिए 80 प्रतिशत फीस माफ तथा निराश्रित बच्चों को निशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि वह अपने पैरों पर खड़े हो सके और स्वयं का कार्य एवं प्राइवेट संस्थानों में कार्य करके अपना भारण पोषण कर सकते हैं उन्होंने बताया कि यह संस्था 2011 से निरंतर अपने कार्य क्षेत्र में निरंतर बच्चों के भविष्य संवारने का कार्य कर रहा है संस्था के निर्देशक का मुख्य उद्देश्य यह है कि गरीब तबके के लोगों को आज की आधुनिकता से जोड़ा जाए और अपना एवं अपने परिवार का भरण पोषण आजीवन सही ढंग से चला सके इसी संस्था के कई ऐसे सैकड़ो छात्र हैं जो आज कंप्यूटर शिक्षा हासिल करके बड़े-बड़े उद्योग व्यापार एवं सरकारी व अर्ध सरकारी तथा प्राइवेट कार्यालय में कार्यरत है। इस क्षेत्र का यह ऐसा कंप्यूटर प्रशिक्षण संस्थान है जहां पर छात्र छात्राओं के साथ ही गरीब तबके के बच्चों को एजुकेशनल व्यवसायिक ज्ञान देकर उन्हें स्वालंबी बनाने का कार्य किया जा रहा है। संस्था द्वारा पूरी तरह से कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं।

इस संबंध में जब संस्था के प्रबंधक से बात की गई तो उन्होंने कहा की मैंने गरीबी देखी है कैसे यह ज्ञान अर्जित किया है उसी को ध्यान में रखते हुए समाज के हर वर्ग के बच्चों को कंप्यूटर प्रशिक्षण देने का काम कर रहे हैं ताकि वह स्वयं अपने पैरों पर खड़े हो सके क्योंकि भारत सरकार द्वारा हर क्षेत्र में कंप्यूटर अनिवार्य कर दिया है इसलिए इस आधुनिक प्रवेश में बच्चों को कंप्यूटर का ज्ञान होना अति आवश्यक है दयाराम पुरवा के रणविजय पाल तथा वजीउद्दीनपुर के वैभव अवस्थी, मेराज अजपुरा, धर्मेन्द्र पांडये चौरी अलादासपुर, रामबलेस्वर यादव पुते वैश्य, संतोष वर्मा फतेहगंज, कुलदीप वनपुरवा, अयोध्या प्रसाद वीर, कृष्ण मंगल गौतम टेलमा, विकास श्रीवास्तव चंदौली, मुकेश यादव टांडिया, विवेक श्रीवास्तव चंदौली सहित सैकड़ो छात्रों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर विभिन्न संस्थाओं में कार्य कर रहे हैं और अपना व अपने परिवार का भारण पोषण कर रहे हैं।

एक नज़र

शाहजहांपुर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा पुलिस लाइन सभागार में बड़े खाने का आयोजन कराया गया

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

शाहजहांपुर। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा पुलिस लाइन सभागार में बड़े खाने का आयोजन कराया गया जिसमे अपर पुलिस महानिदेशक बरेली जोन अपर पुलिस अधीक्षक नगर,अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं समस्त थाना प्रभारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

फर्राटा पंखे ने ली चार मासूमों की जान छाया मातम

द अचीवर टाइम्स आशीष सिंह

उन्नाव। थाना क्षेत्र के ग्राम लालमन खेड़ा के निवासी वीरेंद्र कुमार पुत्र स्व द्वारिका प्रसाद के घर पर फर्राटा पंखे में विधुत प्रवाह होने के कारण वीरेंद्र कुमार के चार मासूम बच्चे (1) मंयक उम्र 9 वर्ष (2) हिमांशी उम्र08 वर्ष (3) हिमांक उम्र 6 वर्ष (4) मांशी उम्र 5 वर्ष की घटना स्थल पर ही मौत हो गयी जैसे ही परिजनों ने पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा घटना स्थल का जायजा जिला अधिकारी अपूर्वा दुबे ने लिया और हर संभव मदद के लिए परिवार जनों को सांत्वना दी।

आस्था का प्रतीक बना छठ पूजा का त्योहार महिलाएं राखी व्रत

सूरतगंज बाराबंकी। के गोवा मझरा गांव में ग्रामीण क्षेत्र होते हुए भी बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया छठ पूजा जिसमें महिलाओं द्वारा विभिन्न प्रकार के फलों को लेकर के मां गंगे के प्रतिक तालाब के किनारे कर रही पूजा 36 घंटा के उपवास के बाद करेंगी भोजन वही प्राप्त जानकारी के अनुसार शाम को सूर्यास्त तक महिलाएं खड़ी रहेगी पानी के अंदर और सुबह सूर्य उदय होने से पहले फिर जाएंगी तालाब के किनारे जहां सूर्य उदय होते ही अर्घ देकर के करेंगी व्रत का पारण त्यौहार की सुरक्षा दृष्टि को देखते हुए थाना मोहम्मदपुर खाला के चौकी लालपुर कौरता पुलिस प्रशासन का रहा सतर्क इंतजाम जबकि ग्राम प्रधान द्वारा पूजा स्थल की उचित व्यवस्था में रहा पूरा सहयोग महिलाओं की पूजा में निरंतर सहयोग कर रहे ब्लॉक अध्यक्ष समाजवादी पार्टी के संजय कुमार सिंह व ज्ञान सिंह राजू चौहान,राम सुचित, प्रेम कुमार,धीरज,कुलदीप,विजय शंकर ,पहलाद जैसे लोग।

चार दिन अयोध्या की ओर नहीं जाएंगे बड़े वाहन

बाराबंकी। अयोध्या में 14 कोसी परिक्रमा व कार्तिक पूर्णिमा मेले के मद्देनजर जिले से अयोध्या जाने वाले मार्ग पर यातायात प्रतिबंधित किया जाएगा। 20 नवंबर की शाम से 21 नवंबर की रात तक और कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर 26 को सुबह छह बजे से 27 नवंबर को शाम पांच बजे तक बड़े वाहनों को परिवर्तित मार्ग से भेजा जाएगा। बाराबंकी से अयोध्या के बीच रोजाना 30 हजार से अधिक वाहन गुजरते हैं। लखनऊ की ओर से अयोध्या, बस्ती, गोरखपुर की ओर जाने वाले सभी बड़े वाहनों को चौपुला व रामनगर तिराहे से बाराबंकी-गोंडा-बहराइच हाईवे की ओर मोड़ कर डायवर्ट किया जाएगा। यह वाहन रामनगर, जरवल रोड, मनकापुर, बभनान से हरैया होते हुए जाएंगे। जबकि बलरामपुर, गोंडा की ओर से अयोध्या होते हुए बाराबंकी व लखनऊ आने वाले वाहन नवाबगंज से गोंडा फिर रामनगर होते हुए बाराबंकी पहुंचेंगे। एएसपी दक्षिणी डॉ. अखिलेश नारायण सिंह व सीओ यातायात आलोक कुमार पाठक की ड्यूटी भी अयोध्या में लगा दी गई है। सीओ ने बताया कि रूट प्लान आने के बाद इसे लागू कराया जाएगा। वहीं, 14 कोसी परिक्रमा में शामिल होने के लिए जिले से भी हजारों श्रद्धालु अयोध्या जाते हैं। इसके लिए अयोध्या की सीमा पर भी पुलिस सतर्क रहेगी।

पुल बनवाने के लिए गांव वालो ने राज्य मंत्री को दिया ज्ञापन

सालों पुरानी रास्ता को आउटर रिंग रोड पर पुल ना देने से रास्ता हुई बंद

द अचीवर टाइम्स दीपक कनौजिया।

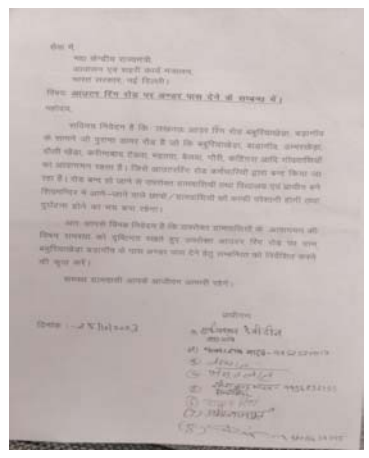

लखनऊ। काकोरी क्षेत्र में आउटर रिंग रोड की सड़क बनने से गांव की लिंक सालों पुरानी रोड को बंद कर दिया गया, जिससे परेशान गांव के लोगो ने पुल बनवाने के लिए राज्य मंत्री कौशल किशोर को एक ज्ञापन दिया। काकोरी विकास खंड के बड़ा गांव ग्राम पंचायत के बबुरिया खेड़ा गांव, डम्मर खेड़ा, टेडवा, बड़ा गांव, बेलवा, दौली खेड़ा, करीमबाद, महतवा, गौरी बेलवा आदि अनेकों गांव की फतेहगंज तक एक सालों पुरानी लिंक रोड बनी हुई थी जिसे आउटर रिंग रोड की सड़क बनने से बंद कर दिया गया। वही ग्रामीणों ने बताया कि सालों पुरानी अगर लिंक रोड को बंद कर दिया जायेगा तो हम लोगो को आने जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा आए दिन सड़क हादसे होते रहेंगे। बच्चों को स्कूल और गांव के लोगो को मंदिर जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा, इसलिए हम लोग चाहते है की जायदा बड़ा नही लेकिन एक छोटे पुल का निर्माण हो जाए, जिससे दो पहिया और चार पहिया वाहन आसानी से निकल जाए। सभी ग्रामीणों ने एकत्र होकर पुल का निर्माण कार्य करवाए जाने के लिए राज्य मंत्री कौशल किशोर को लिखित में ज्ञापन दिया है।

सभी महिलाओं और पुरुषो को कार्य देना मेरी ज़िम्मेदारी

संवाददाता

बाराबंकी। सिद्धौर ब्लॉक की ग्राम पंचायत बिबियापुर में सचिव सहित ग्राम प्रधान रुबीना बानो द्वारा हर युवा और महिलाओं को रोजगार देने का चल रहा काम

सिद्धौर बाराबंकी। एक तरफ जहां पर राज्य व केंद्र सरकार ग्रामीण अंचलों से लेकर शहरी अंचलों तक सबका साथ सबका विकास करने के साथ साथ सभी युवाओं एवं महिलाओं को रोजमर्रा के लिए ब्लॉकों में ग्राम प्रधानों द्वारा ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में कार्य देने से श्रमिकों के चेहरे पर मुस्कान सी ललकती रहती है। केंद्र व राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण रोजगार गारंटी में कार्य करने वाले श्रमिकों के चेहरों पर 100 दिन कार्य पूर्ण करने से पहले ही खुशी देखने को मिलती है एक जीता जागता प्रमाण सिद्धौर ब्लॉक की ग्राम पंचायत बिबियापुर में देखने को मिला जहां पर सचिव व ग्राम प्रधान रुबीना बानो द्वारा हर युवा और महिलाओं को रोजगार देने का कार्य बड़ी ही जिम्मेदारी के साथ करती है वहीं पर शंभू देई पत्नी स्व.सुंदरलाल का खेत समतली कारण के लिए डिमांड पर लगाया गया था। जिस पर शंभू देई के पुत्र राम सिंह की चंद दिनों पहले मृत्यु हो जाने के कारण डिमांड खारिज कर दिया गया वहीं पर मुजफ्फरपुर से औसानेश्वर पटरी पटाई का कार्य भी किया गया है इतना ही नहीं ग्राम पंचायत में महिलाएं पुरुष और युवाओं द्वारा प्रधानमंत्री आवास में भी श्रमिक लाभार्थियों द्वारा कार्य करते देखे जाता हैं। श्रमिक सिद्धनाथ ने बताया जब से ग्राम सभा में ग्राम प्रधान ने पद संभाला है तभी से महिलाओं और पुरुषों को सही समय पर मनरेगा में कार्य मिलता है और आवश्यकता पड़ने पर यदि भुगतान में कोई समस्या पड़ जाती है तो ग्राम प्रधान रुबीना बानो आर्थिक सहायता हम सभी लोगों की करती हैं श्रमिक अवध राम, जालिम यादव, हयात अली, रेशमा, नैना देवी, राजकला, शिवकली, रमेश, राम अभिलाष ऐसे में आदि श्रमिक कार्य करते रहते हैं रोजगार सेवक गया प्रसाद वर्मा ने बताया हमारे यहां पर एन एम एम एस सही समय पर प्रात हाजरी भरी जाती है जिसके चलते श्रमिकों में खुशी की लहर दौड़ती रहती देखी जाती है।

कल्याण सिंह वार्ड में छठ पूजा में शामिल हुई पार्षद

❖ छठ महापर्व भगवान सूर्य देवता की पूजा का है पर्व।

द अचीवर टाइम्स दीपक कनौजिया

पारा। छठ महापर्व भगवान सूर्य देवता की पूजा का पर्व है, इस पूजा में महिलाएं अपने पति और पुत्र की लंबी आयु के लिए 36 घंटे का निर्जल व्रत रखती हैं, इस पूजा में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है। पारा क्षेत्र के कल्याण सिंह वार्ड से पार्षद आशा रावत अपने वार्ड के प्रसादी खेड़ा, फ्रेंड्स एवेन्यू कॉलोनी, सरोसा मुजफ्फरपुर में छठ पूजा में शामिल हुई और उन्होंने लोक आस्था, पवित्रता एवं सूर्य देव की उपासना के महापर्व छठ पूजा पर सभी महिलाओं को बधाई देते हुए कहा की छठ पूजा का व्रत करने से पति और पुत्र की आयु लंबी होती है, यह पर्व मानव आस्था का पर्व है, जिसे बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है, छठ पूजा के दौरान अगर आप सभी को किसी प्रकार की कोई समस्या होती है तो उन्हे तुरंत सूचना देकर सूचित करें।

कुछ नए सहयोगियों की तलाश में अखिलेश यादव

लखनऊ। मध्य प्रदेश का चुनाव निपटते ही सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव इंडिया गठबंधन के नए सहयोगियों की तलाश में जुट गए हैं। उन्होंने रविवार को जींद में हरियाणा विकास पार्टी की संकल्प रैली में कहा कि इंडिया गठबंधन जीते और भाजपा को पीछे धकेल दे, इससे अच्छा और क्या हो सकता है। हरियाणा की धरती पर अग्निवीर के जरिये भाजपा ही उनके मुख्य निशाने पर रही। मध्य प्रदेश के चुनाव में अखिलेश ने इंडिया के मुख्य घटक दल कांग्रेस पर जमकर तीर चलाए थे। कहा था, भाजपा और कांग्रेस में कोई बुनियादी फर्क नहीं है। लेकिन, हरियाणा की रैली में उन्होंने भाजपा शासन में लाए गए तीन कृषि कानूनों को रद्द कराने में वहां के किसानों की भूमिका की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि हरियाणा जनसेवक पार्टी एक विकल्प के रूप में खड़ी होकर राज्य में सरकार बनाने में कामयाब होगी।

किसान मंच के प्रदेश प्रवक्ता व प्रदेश सचिव राहुल पांडे ने किसानो की आवाज उठाने का वादा

राहुल पांडे क्षेत्र के किसानो की कर रहे हैं मदद

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। विधानसभा बख्शी तालाब के अंतर्गत ग्राम पंचायत लौहंगपुर में किसान मंच के प्रदेश प्रवक्ता व प्रदेश सचिव राहुल पांडे बी.के.टी ब्लॉक सचिव कुशाग्र पाठक की उपस्थिति में किसानों की जन समस्याओं को लेकर काफी भारी सैकड़ो संख्या में किसानों की उपस्थिति रही किसानों की सभी जन समस्याओं को लेकर राहुल पांडे ने सभी किसान भाइयों को उनको हक दिलाने के लिए सभी उच्च अधिकारियों से बात करने के लिए और किसानों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने के लिए बात कही फिर वहीं पर किसान मंच के संगठन के विस्तार को लेकर किसान भाइयों से चर्चा भी हुई जिसमें उपस्थित किसान मंच के ब्लॉक सचिव कुशाग्र पाठक अरुण कुमार तिवारी गोपी चंद्र तिवारी तेजू गौतम लक्ष्मी रावत राम खेलावन राम औतार नीरज आदि लोग मौजूद रहे।

लखनऊ इंस्पेक्टर हत्याकांड, साले ने की थी पीएसी इंस्पेक्टर की हत्या

पत्नी को थी जानकारी, पुलिस के खुलासे में सामने आया सच

द अचीवर टाइम्स निर्मल सैनी (ब्यूरो)

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के कृष्णानगर में दीवाली की रात अपने भाई के साथ मिलकर पत्नी द्वारा पति की हत्या करवाने का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस एसटीएफ और क्राइम ब्रांच की टीम काम कर रही थी। पुलिस ने आरोपी की तलाश के लिये पूरे लखनऊ के सीसीटीवी फुटेज खंगाल डाले थे। जिसके बाद इंस्पेक्टर के पत्नी और भाई पर पुलिस का संदेह बढ़ गया। वहीं पुलिस ने जैसे ही दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की पूरा मामला आईने की तरह साफ हो गया। जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई तेज की और इंस्पेक्टर की पत्नी और उसका भाई गिरफ्तार हुआ है।

जानिए क्या है पूरा मामला

जनपद लखनऊ में दिवाली की रात कृष्णानगर थाना क्षेत्र के मानस नगर में इंस्पेक्टर सतीश कुमार सिंह की उनकी पत्नी और दस साल की बेटी की आंखों के सामने गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। यह घटना इंस्पेक्टर के घर के गेट पर हुई थी। सतीश, देर रात करीब ढाई बजे राजाजीपुरम में मौजूद एक रिश्तेदार के घर से पत्नी और बेटी संग वापस घर लौटे थे। वह जैसे ही कार से उतरे उसी समय हमलावर ने उन पर गोलियां बरसा दीं और मौके से भाग निकला। सतीश पीएसी में क्वार्टर मास्टर थे। वह प्रयागराज में तैनात थे। जानकारी के मुताबिक, हमलावर हुडी पहन कर आया था। इंस्पेक्टर पर फायरिंग करने के बाद वह फरार हो गया था। पत्नी ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी थी। जिसके बाद पुलिस एसटीएफ और क्राइम ब्रांच की टीम ने जांच शुरू कर दी थी। इस घटना क्रम को लेकर पुलिस भी हैरान थी। पुलिस के मुताबिक, यह मर्डर सटीक जानकारी से हुआ था। क्योंकि सतीश प्रयागराज में पीएसी की चौथी वाहिनी में क्वार्टर मास्टर के पद पर तैनात थे और दीपावली की छुट्टी लेकर घर आए हुए थे। रविवार रात लक्ष्मी-गणेश पूजन के बाद वह पत्नी शोभा और बेटी के साथ एक रिश्तेदार के घर डिनर करने के लिए गए थे। देर रात पत्नी को सिर में अचानक दर्द होने लगा था। जिसके चलते सतीश परिवार संग घर लौट आए थे। मकान के सामने पहुंच कर वह गाड़ी खड़ी कर गेट खोलने उतरे ही थे कि उन पर गोलियां दाग दी गई थी, जिससे उनकी मौके पर मौत हो गई थी।इस मामले में पत्नी ने घटना के दिन यह भी बयान जारी किया था कि उनके पति घर लौटते समय रास्ते में गाड़ी रोककर पान मसाला लेने भी उतरे थे। सूत्रों की माने तो पुलिस को इंस्पेक्टर की पत्नी के इन सभी बयानों को लेकर संदेह गहराता चला गया।इस मामले में लखनऊ पुलिस ने खुलासा करते हुए इंस्पेक्टर की पत्नी और उसके भाई को गिरफ्तार कर लिया है। इंस्पेक्टर की पत्नी और उसके भाई ने ही मिलकर पूरी हत्या की साजिश रची थी। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल की गई पिस्टल और आरोपी द्वारा पहने कपड़े भी बरामद कर लिए हैं।

कानपुर के रानी घाट पर छठ पूजा के मुख रूप में

संवाददाता सुजीत कुमार

कानपुर। कानपुर नगर मैं छठ पर्व मुख्य रूप में सूर्य उपासना के लिए किया जाता है ताकि पूरे परिवार पर उनका आशीर्वाद बना रहे साथ ही व्रत संतान के सुखद भविष्य के लिए किया जाता है मान्यता है कि छठ का व्रत करने से निसंतान को संतान की प्रति होती है और सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं इसी क्रम से क्षेत्र के हजारों की संख्या में महिलाएं रविवार को रानी घाट स्थित गंगा नदी के तट पर पहुंची और परंपरा गत तरीके से सूर्य को अध्ये देकर अपनी संतान के उज्जवल भविष्य और अन्य मानोछवि फल प्राप्ति के लिए विधिवत पूजन किया महिलाओं ने गंगा माता को वेट किया फल स्वरुप मीठा धूप दीप अर्पित कर आरती भी की गंगा माता में स्नान के उपरांत माता गंगा से संतान के सुखद भविष्य और परिवार की सुरक्षा के समृद्धि भी कामना की जिसमें से पुलिस प्रशासन और नागरिक सुरक्षा कोर प्रखंड नवाबगंज स्थित शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जगह-जगह पर पुलिस प्रशासन और नागरिक कोर को अपनी ड्यूटी कर रहे थे।

सम्पादकीय

ऐसे संयुक्त राष्ट्र संघ औचित्य क्या है?

पिछले एक माह से ज्यादा समय से हमास पर इस्त्राइल के हमले जारी हैं।रूस- यूक्रेन युद्ध एक साल दस माह से ज्यादा से जारी है। तालिबान द्वारा अफगानिस्तान में की गई बरबादी पूरी दुनिया ने देखी। संयुक्त राष्ट संघ मानव जीवन की बरबादी देख रहा है। यह असहाय बना बैठा है। मानव जीवन का विनाश रोकने के लिए वह कुछ नही कर पा रहा।उसकी भूमिका शून्य होकर रह गई है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि जब संयुक्त राष्ट संघ कुछ नही कर सकता। मानव जाति का विनाश रोक नही सकता।युद्ध रोकने की उसकी शक्ति नही तो उसका औचित्य क्या है? क्यों कोई देश उसका सदस्य बने।ऐसे नाकारा संगठन को भंग क्यों न कर दिया जाए। पूरी दुनिया में शांति स्थापना के लिए बना संयुक्त राष्ट संघ अब हाथी के सफैद दांत बन कर रह गया। वह सिर्फ दिखाने मात्र को है।संयुक्त राष्ट महासभा के गठन का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य विश्व में शांति कायम करना है। आज क्या हालात को देखते हुए लगता है कि अपने सबसे बड़े कार्य का दायित्व निभाने में सक्षम नहीं है।हमास- इस्त्राइल युद्ध एक माह से ज्यादा से जारी है।हमास ने पहले इस्त्राइल पर अचानक बड़े पैमाने पर हमला किया। 20 मिनट में पांच हजार से ज्यादा राकेट दागे।इस्त्राइल में घुंसकर उसके नागरिकों का संहार किया। महिलाओं को सड़कों पर नंगाकर घुमाया गया। बच्चों , महिलाओं समेत इस्त्राइलवासियों का निर्ममतापूर्वक कत्ल किया गया। 250 से ज्यादा इस्त्राइली नागरिक बंधक बनाकर ले गए। ये घटना के एक माह बाद भी उनके कब्जे में हैं।अब हमास- इस्त्राइल युद्ध को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट में प्रयास चल रहे हैं।कई बार प्रस्ताव के प्रयास हुए पर विटो पायर वाले देशों के अडंगे के कारण कुछ नही हो सका।हाल में संयुक्त राष्ट महासभा में इस युद्ध को रोकने के लिए सर्वसम्मत प्रस्ताव स्वीकार किया , किंतु इस्त्राइल ने इसे स्वीकार करने से मना कर दिया। होना यह चाहिए था कि प्रस्ताव होता कि हमास ने इस्त्राइल पर हमला किया है, वह इस्त्राइल के नुकसान की भारपाई करे।इस्त्राइल के बंदी रिहा करे।ये भी व्यवस्था होती कि भविष्य में हमास ऐसा दुस्साहस न कर सकें। इसके बाद इस्त्राइल से कहा जाता कि वह युद्ध रोके,किंतु पूरी दुनिया जानती है कि हमास किसी की सुनने वाला नही। जब हमास सुनने वाला नही तो इस्त्राइल पर ही दबाव क्यों दिया जाए, कि वह युद्ध रोके।हमास ने इस्त्राइल पर हमला कर पहल की है। अब ये इस्त्राइल को तै करना है कि वह क्या करता हैं। कितना लड़ता है। कहां तक लड़ता है।इसका कहना है कि अब वह हमास को खत्म करके ही रूकेगा।दूसरे यदि हमास द्वारा बंदी बनाए इस्त्राइली नागरिक रिहा हो जांए तो इस्त्राइल का रवैया कुछ नरम हो सकता है, किंतु ऐसा कुछ होता नही दीख रहा। सब चाहतें हैं कि इस्त्राइल युद्ध रोके । कोई ये पहल नही कर रहा कि पहले हमास इस्त्राइल के बंदी रिहा करे। इस्त्राइल के हमलों में बच्चों और महिलाओं के मरने की बात हो रही है। हमास के हमले में इस्त्राइल में बच्चों- महिलाओं का जिस तरह कत्ल किया गया, उनकी गर्दन काटी गई। नंगा घुमाया गया, उसका कहीं जिक्र नही हो रहा। इस तरह का दूहरा आचरण दुनिया का विखंडित ही करेगा, रोकेगा नही। पिछले एक साल दस माह से रूस -यूक्रेन युद्ध जारी है। इस युद्ध में मरने और घायल होने वाले दोनों देशों के सैनिकों की संख्या पांच लाख के आसपास है।अपने सैनिकों की मौत के बारे में न रूस कुछ बता रहा है, न ही यूक्रेन।न्यूयार्क् टाइम्स ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से अगस्त में कहा है कि रूस इस युद्ध के नुकसान के बारे में कुछ नही बता रहा।यूक्रेन भी चुप्पी साधे है।अनुमान के मुताबिक युद्ध से रूस के तीन लाख सैनिक प्रभावित हुए हैं।एक लाख तीस हजार सैनिक की मौत हुई है।वहीं एक लाख सत्तर हजार से एक लाख अस्सी हजार तक सैनिक धायल हैं।वहीं यूक्रन के 70 हजार के आसपास सैनिकों की मौत हुई है।जबकि एक लाख से एक लाख बीस हजार तक घायल हुए हैं। इस युद्ध में पांच लाख से ज्यादा परिवार विस्थापत हुए।इतना सब होने के बाद भी संयुक्त राष्ट इस युद्ध को नही रोक पाया। न रोक पा रहा है।इस युद्ध से दोनों देशों के विकास तो रूका ही। मानव कल्याण के लिए भवन, पुल,स्कूल और उद्योग खंडहर बन गए।ये दोनों देश बड़े नाज उत्पादक देश हैं। इनके युद्ध के कारण दुनिया के अन्य देशों को होने वाली अनाज की आपूर्ति रूकी है। इससे पूरी दुनिया में मंहगाई बढ़ रही है।आज संयुक्त राष्ट महासभा एक ऐसा संगठन बनकर रह गया है जो कुछ देश के हाथों की कठपुलती है। न अपनी ताकत का प्रयोग कर सकता है ना अपनी क्षमता का। संयुक्त राष्ट महासभा के गठन का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य विश्व में शांति कायम करना है। आज के हालात को देखते हुए लगता है कि अपने सबसे बड़े कार्य का दायित्व निभाने में वह सक्षम नहीं है। पांच विटो पावर देश उसे अपनी मर्जी से नचा रहे हैं।उनके एकजुट हुए बिना संयुक्त् राष्ट महासभा कुछ नही कर सकता।ये पांचों विटो पावर देश खुद खेमों में बंटे है।ऐसे में सर्व सम्मत प्रस्ताव पास होना एक प्रकार से नामुमकीन हो गया है।म्यांमार में सेना का जुल्म कायम है। चीन में उइगर मुसलमानों पर जुल्म जग जाहिर हैं। पूरी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। उसके यहां सरे आम आतंकवादियों को प्रशिक्षण दे रहा है। यह इन्हें रोकने के लिए कुछ नहीं कर रहा।तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिस्तान की बरबादी दुनिया ने देखी ।तालिबानी मदरसे तो उड़ाते ही रहे । लड़कियों के स्कूल तोड़े और जलाए ।औरतों की आजादी और शिक्षा खत्म कर दी गई। उन्हें घर की चाहरदीवारी में कैद कर दिया गया।पूरा विश्व सब देखता रहा। कोई कुछ नही कर सका।संयुक्त राष्ट महासभा के गठन का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य विश्व में शांति कायम करना है। आज क्या हालात को देखते हुए लगता है कि अपने सबसे बड़े कार्य का दायित्व निभाने में सक्षम नहीं है। । कोरोना से दुनिया में हुई लाखों मौत के सूत्रधार को वह नही खोज पाता। दुनिया में शांति स्थापना और निरपराध का कत्ल रोकने उसकी क्षमता नहीं, फिर ऐसे संयुक्त राष्ट की क्या जरूरत है। हर एक को अपनी डफली अपना राग अलापना है तो क्या फायदा। जब ताकत की ही पूजा होनी है तो इस फालतू के बोझ को क्यों झेला जाए?अब समय आ गया है कि एक बार फिर से सोचा जाए किस संयुक्त राष्ट संघ क्यों? इसका क्या लाभ ?क्यों इसका बोझ पूरी दुनिया ढोए? कैसे बर्दाशत किया जाए ?क्यों कुछ ही देशों के हाथ में वीटो पावर दे कर के उन्हें दुनिया के सामने नंगा नाच नाचने की अनुमति दी जाए ।आज जरूरत आ गई है कि संयुक्त राष्ट महासभा की उपयोगिता पर विचार किया जाए ।इसे उपयोग उपयोगी बनाने पर कार्य किया जाए। खड़ा किया जाए ऐसा ढांचा कि एक देश दूसरे देश का मददगार बने।मुसीबत में उसके साथ खड़े हो ,उसकी रक्षा कर सकें। ऐसा नहीं आपदा के समय सिर्फ तमाशा देखें । सब दुनिया के सभी देश बराबर हैं तो पूरी दुनिया के पांच देशों को ही वीटो पावर का अधिकार क्यों ?इस पर विचार किए जाने की जरूरत है ।यह प्रजातंत्र है ।संयुक्त राष्ट संघ में डिक्टेटरशिप लागू नहीं है जो किसी का निर्णय फाइनल होगा। किसी निर्णय को रोक सकेगा। आज के हालात में सामूहिकता बढ़ाने ,सामूहिक निर्णय पर चलने ,सामूहिक विकास का सोचने की जरूरत है। और एक ऐसे संगठन की दुनिया को जरूरत है जो निष्पक्ष और तटस्थ होकर के पूरी दुनिया में शांति स्थापना के लिए काम कर सके। ऐसे संगठन की जरूरत नहीं है जिसमें चार या पांच दादाओं का ही निर्णय चलें।

गणेश ने इस तरह तोड़ा कुबेर का अहंकार

कुबेर सहमत हो गया। वह गणेश को साथ लेकर अपनी स्वर्ण-नगरी लंका पहुंचा। उसने गणेश को अनेक तरह की स्वर्ण-निर्मित अद्भुत वस्तुएं दिखाई। स्वर्ण देख-देखकर गणेश ऊब गए। उन्हें भूख लगी। भूख लगने पर व्यक्ति को स्वर्ण नहीं, भोजन चाहिए! धन का देवता और लंका का राजा बनने के बाद कुबेर का वर्चस्व बहुत बढ़ गया था। ऐश्वर्य, घमंड का जनक है। कुबेर को अहंकार हो गया कि वह अपार धन-संपदा से किसी को भी संतुष्ट कर सकता है। एक बार वह कैलाश पहुंचा और शिव-पार्वती को आतिथ्य स्वीकार करने का निमंत्रण दे डाला। शिव-पार्वती समझ गए कि कुबेर वैभव का प्रदर्शन करना चाहता है। उन्होंने कहा, 'हमें कुछ आवश्यक कार्य है; तुम चाहो तो हमारे पुत्र गणेश को अतिथि बना लो।' कुबेर सहमत हो गया। वह गणेश को साथ लेकर अपनी स्वर्ण-नगरी लंका पहुंचा। उसने गणेश को अनेक तरह की स्वर्ण-निर्मित अद्भुत वस्तुएं दिखाई। स्वर्ण देख-देखकर गणेश ऊब गए। उन्हें भूख लगी। भूख लगने पर व्यक्ति को स्वर्ण नहीं, भोजन चाहिए! कुबेर ने गणेश के लिए आसन लगवा दिया। सेवक, गणेश के लिए थाल में भोजन ले आए। इधर सेवक ने गणेश के सामने भोजन से भरा थाल रखा, उधर गणपति ने थाल खाली कर दिया और कहा, 'इतने-से भोजन से क्या होगा? मुझे भूख लगी है। और भोजन लाओ!' सेवक इस बार बड़े थाल में दोगुना भोजन लेकर लौटा। गणेश उसे खाकर सेवक की ओर देखने लगे। सेवक और भोजन लाया...और फिर बस, लाता ही चला गया! कुबेर ने गणेश को समझाया- 'वत्स, अधिक खाने से पेट खराब हो जाता है। तुम्हें और नहीं खाना चाहिए।' गणेश ने कटाक्ष किया- 'कहीं ऐसा तो नहीं कि धन के देवता के पास बालक को खिलाने के लिए पर्याप्त भोजन नहीं है?' अहंकार पर चोट पड़ी तो कुबेर ने कहा, 'कुबेर, पूरे संसार का पेट भर सकता है! खाओ...मैं भी देखता हूं, तुम कितना खा सकते हो!' गणेश मुसकराए और खाने बैठ गए। कुबेर के सेवक भोजन पकाते-परोसते थक गए, लेकिन गणेश तृप्त नहीं हुए। सैकड़ों लोगों का भोजन गणेश अकेले चट कर गए। कुबेर का अन्न-भंडार खाली होने लगा तो उसे लगा कि दाल में कुछ काला है! उसने संकोचपूर्वक गणेश से पूछा, 'मेरा भंडार रिक्त हो चला है। अब क्या खिलाऊं?' गणेश ने कुबेर के स्वर्णासन को देखकर कहा, 'भोजन नहीं है तो क्या? आपके पास स्वर्ण तो बहुत है! मैं जब से आया हूं, तब से आप मुझे स्वर्ण ही तो दिखा रहे हैं। अब मैं उसी से पेट भरूंगा।' गणेश ने कुबेर के सिंहासन का पाया चबा लिया। सिंहासन लड़खड़ाया और एक ओर लुढ़क गया। कुबेर ने हाथ जोड़ लिए। परंतु इतनी देर में गणेश ने और कई चीज़ें चबा डाली थीं। कुबेर के हाथ-पैर ठंडे पड़ गए। वह कैलाश भागा और शिव-पार्वती के सामने गिड़गिड़ाते हुए बोला, 'गणेश ने मेरा अन्न-भंडार खाली कर दिया है लेकिन उसकी भूख शांत नहीं हुई। अब वह महल की स्वर्ण-निर्मित अनमोल वस्तुएं चबा रहा है। मैं समझ चुका हूं कि आपने और गणेश ने मेरा अहंकार दूर करने के लिए यह लीला रची थी। मैं लज्जित हूं।' तब पार्वती ने कुबेर को एक मुट्ठी चावल दिए और कहा, 'गणेश को अहंकार पसंद नहीं है। यह चावल विनम्रता से गणेश को परोस देना। उसकी भूख शांत हो जाएगी।' कुबेर चावल लेकर लंका पहुंचा। तब तक गणेश बहुत-सा और सामान खा चुके थे। उसने तुरंत चावल पकाए और आदर सहित गणेश को अर्पित कर दिए। चावल खाते ही गणेश ने जोर-से डकार ली और उठकर खड़े हो गए। 'वाह! अब तृप्ति हुई है!' गणेश ने कहा, 'मेरा पेट भर गया, धनराज कुबेर। अब आप मुझे वापस मेरे माता-पिता के पास ले चलिए।' 'किंतु...मेरा सिंहासन...और अनमोल वस्तुएं...' कुबेर ने संकोच करते हुए कहा। 'हा! हा!!' गणेश ने ठहाका लगाया। 'इनकी चिंता मत कीजिए। वैसे भी मुझे अहंकार से बना भोजन पचता नहीं है!' यह सुनकर कुबेर पानी-पानी हो गया। कुबेर, बालक गणेश को कैलाश छोड़कर लौटा तो उसे सब सामान एवं अपना सिंहासन सही-सलामत मिल गया। और, साथ ही एक सबक भी!

सम्मान देकर ही हासिल होगी प्राकृतिक संपदा

जलवायु संकट से निपटने के लिए परंपरागत अर्थों में धार्मिक होना बेशक जरूरी न हो, लेकिन यह जरूर समझना चाहिए कि प्रकृति केवल उपभोग की वस्तु नहीं है। इसे भी सम्मान की जरूरत है। जलवायु संकट की वजह से ही हम, मनुष्य द्वारा प्रकृति के साथ किए जा रहे खिलवाड़ पर गौर करने के लिए मजबूर हुए हैं। हालांकि, भारत की पर्यावरणीय समस्याओं के लिए महज ग्लोबल वार्मिंग को जिम्मेवार मान लेना बिल्कुल गलत होगा। उत्तर भारतीय शहरों में तेजी से बढ़ता वायु प्रदूषण, अनियोजित सड़कों व बांधों की वजह से हिमालय क्षेत्र में मची तबाही, भूजल का ज्यादा उपयोग, मिट्टी में रसायनों का बढ़ता असर, जैव विविधता की हानि, ये सभी कारक जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा दे रहे हैं। पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं पर दर्जनों किताबें प्रकाशित हुई हैं। लेकिन, यह आलेख एक ऐसी किताब पर फोकस करता है, जो करीब 50 वर्ष से भी ज्यादा पहले प्रकाशित हुई थी। अपेक्षाकृत कम चर्चित रही यह पुस्तक अपने वक्त में तो खैर प्रासंगिक थी ही, यह आज पहले से कहीं ज्यादा प्रासंगिक बन गई है। किताब का नाम है = मैन एंड नेचर = द स्पिरिचुअल क्राइसिस ऑफ मॉडर्न मैन, जिसे उस वक्त तेहरान विश्वविद्यालय के दर्शन शास्त्र के प्रोफेसर रहे सैय्यद हुसैन नस्र ने लिखा था। अब नब्बे वर्ष के हो चुके नस्र ने एक असामान्य, दिलचस्प और बेहद उत्पादक जिंदगी जी। ईरान में विद्वानों व लेखकों के एक परिवार में जन्मे नस्र ने 1958 में अपने वतन लौटने पहले मेसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और हार्वर्ड में शिक्षा प्राप्त की। पश्चिम से मिल रहे बेहतरीन नौकरियों के कई प्रस्तावों को ठुकराते हुए उन्होंने तेहरान में पढ़ाने और आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करने का फैसला किया। वह फ्रेंच और अरबी भाषाओं में लिखते रहे हैं। हालांकि, 1979 की ईरानी क्रांति के बाद उन्हें अपनी मातृभूमि छोड़कर भागना पड़ा, क्योंकि अयातुल्ला खुमैनी के ईरान में स्वतंत्र विचारों के लिए कोई जगह नहीं थी। उसके बाद से नस्र अमेरिका के विश्वविद्यालयों में पढ़ाने के साथ बौद्धिक इतिहास और तुलनात्मक धर्म के क्षेत्र में लिखना व प्रकाशित होना जारी रखा है। अपनी पुस्तक मैन एंड नेचर की शुरुआत में नस्र टिप्पणी करते हैं कि पश्चिम में पर्यावरण के दुरुपयोग को लेकर जागरूकता बढ़ रही थी। वहां लोग प्रकृति पर विजय पाने के विचार से मनुष्य और प्रकृति में पैदा हुए असंतुलन से उपजी समस्याओं को दूर करना चाहते थे। वह लिखते हैं कि कुछ लोग सच्चाई का सामना करना चाहते हैं कि समाज में शांति के लिए जरूरी है कि प्रकृति और मनुष्य का रिश्ता युद्ध और आक्रामकता पर आधारित न हो। इस पुस्तक में नस्र ने भले ही पश्चिम और खासकर अमेरिका को संबोधित किया हो, लेकिन विकास की नीतियों में इन्हीं देशों के नक्शे-कदम पर चल रहे भारत और चीन के लिए भी इसमें लिखी बातें महत्वपूर्ण हैं। प्रोफेसर नस्र का तर्क है कि समस्या की जड़ आधुनिक मनुष्य के विचारों में है, जिसके तहत वह खुद को प्रकृति पर पूर्ण अधिकार, मनचाहे उपयोग या दुरुपयोग और उसे अपने अधीन मानने की सर्वोच्च शक्ति देता है। प्रकृति पर प्रभुत्व जमाने के इसी विचार का नतीजा आज बढ़ती आबादी, शहरी भीड़भाड़, प्राकृतिक संसाधनों की कमी, मशीनों के अत्यधिक उपयोग से पर्यावरण का नाश और मानसिक बीमारियों में बेतहाशा वृद्धि के रूप में दिखता है। प्रोफेसर नस्र कहते हैं, %प्रकृति पर प्रभुत्व और उसे एक भौतिक इकाई मानने की भावना आधुनिक मनुष्य में घर कर गई है। जब यह भावना मनुष्य के लालच व वासना से जुड़ती है, तो पर्यावरण पर दबाव ज्यादा बढ़ जाता है। चीजों के उपभोग की एक सीमा होती है। लेकिन उन्हें बगैर किसी सीमा के अनंत संभावनाओं वाला समझने की सोच सबसे पहले अमेरिका में फैली। प्रोफेसर नस्र कहते हैं, %मनुष्य की असीमित शक्ति और संभावनाओं को लेकर फैली इस गलत सोच को विकास अर्थशास्त्र ने भी बढ़ावा दिया, जिसमें मनुष्य को पूरी तरह से भौतिक जरूरतों वाला प्राणी माना गया है।% आधुनिक विज्ञान और अर्थशास्त्र ने मनुष्य को आध्यात्मिक व नैतिक संयम से दूर कर दिया है। इसी वजह से मनुष्य प्रकृति को उपभोग की वस्तु मानते हुए, उसके प्रति किसी तरह की जिम्मेदारी महसूस नहीं करता। इसीलिए प्रोफेसर नस्र कहते हैं कि मनुष्य को प्रकृति को पवित्र मानते हुए उसके साथ रहना सीखना होगा और इसके लिए एक नए तरह के विश्वास और अभ्यास की जरूरत होगी। इस्लामी कट्टरपंथियों द्वारा तेहरान छोड़ने के लिए मजबूर किए जाने के बाद प्रोफेसर नस्र ने अमेरिका में खुद को नए सिरे से स्थापित किया। 1996 में उनकी लिखी पुस्तक रिलिजन एंड द ऑर्डर ऑफ नेचर में तर्क दिया गया कि आधुनिक पश्चिम में धर्मनिरपेक्ष मानवतावाद और सांसारिक मनुष्य के अधिकतम उपभोग के विचारों का मनुष्य और प्रकृति के इतिहासों पर गंभीर असर दिखा। प्रोफेसर नस्र की यह किताब यह आकलन प्रस्तुत करती है कि विभिन्न धार्मिक परंपराएं जलवायु संकट को हल करने में क्या योगदान दे सकती हैं। नस्र ने %एक ऐसी स्थिति की उम्मीद करते हुए लिखा, जिसमें दुनिया भर के धर्म एक-दूसरे को समृद्ध कर सकें और प्रकृति की पवित्रता के साझा दृष्टिकोण के आधार पर पृथ्वी पर लगे घावों को भरने में सहयोग भी कर सकें। यह नजरिया आज के तकनीकी मनुष्य की धारणाओं के विपरीत है, जो मानते हैं कि जलवायु संकट को सौर, हाइड्रोजन और पवन जैसे नए ऊर्जा स्रोतों, इलेक्ट्रिक कारों, कार्बन कैप्चर और भू-इंजीनियरिंग द्वारा हल किया जा सकता है। हाल ही में तकनीकी क्षेत्र के कुछ शीर्ष अरबपतियों द्वारा समर्थित पुस्तक क्लाइमेट कैपिटलिज्म में ऐसे नवाचारों की बात की गई है, जो %दुनिया की प्रमुख आर्थिक प्रणाली (अर्थात, पूंजीवाद) के भीतर ही विकास की गति को कम किए बगैर जलवायु समस्याओं का समाधान दे सकते हैं। हालांकि प्रोफेसर नस्र जलवायु संकट के पीछे की प्रमुख वजह खराब तकनीकों को नहीं, बल्कि खराब विचारों को बताते हैं। जो अरबपति हैं, वे अपने निजी विमानों, निजी जहाजों और कई महाद्वीपों में स्थित अपने तमाम घरों की सुविधा के साथ जलवायु संकट का हल खोजना चाहते हैं। दूसरी ओर, एक ही धर्म कुछ लोगों को धैर्य और सहिष्णुता सिखाता है, वहीं दूसरे लोग उसी धर्म की व्याख्या हिंसा व युद्ध को फैलाने के लिए कर रहे हैं। आध्यात्मिक बदलाव का प्रोफेसर नस्र का आह्वान काबिले तारीफ है, हालांकि, परंपरागत तौर पर धार्मिक हुए बगैर भी प्रकृति के प्रति सम्मान और संसाधनों के उपयोग में संयम का विकास किया जा सकता है। दरअसल, जलवायु संकट से निपटने के लिए संस्थागत बदलाव जरूरी हैं। इसके अलावा, एक विकेंद्रीकृत, ज्यादा पारदर्शी व लोकतांत्रिक शासन भी समय की मांग है। ऐसी राजनीतिक व्यवस्था, जिसमें कोयला व पेट्रोकैमिकल क्षेत्र के दिग्गज यह निर्धारित करें कि चुनाव कैसे लड़े और जीते जाएंगे, सत्तारूढ़ दल को किन नीतियों को आगे बढ़ना चाहिए, मीडिया को क्या रिपोर्ट करना चाहिए, पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारियों के बिल्कुल विपरीत है।

इस्त्राइल की शक्ति का मूल है किब्बुत्ज, संकटमोचक व्यवस्था का अद्भुत प्रमाण रही एक राष्ट्र-शैली

वर्ष 1948 में अस्तित्व में आने के बाद से जितने सामूहिक आक्रमण इस्त्राइल ने झेले, मानव इतिहास में अन्य किसी ने कदाचित ही झेले हों। किब्बुत्ज व्यवस्था ने ही अपने अस्तित्व के प्रारंभिक वर्षों की अवधि में इस्त्राइल को बचाया। इस्त्राइल की जनसंख्या के केवल पांच प्रतिशत ही किब्बुत्ज निवासी थे, लेकिन उन्होंने देश का 50 प्रतिशत से अधिक खाद्यान्न पैदा किया। इस्त्राइल में किसी किब्बुत्ज में रहने का अवसर मिले, तो विश्व के बारे में हमारा दृष्टिकोण ही बदल जाता है। हमारी अर्वाचीन दुनिया में यदि किब्बुत्ज जैसी रहन-सहन की अद्भुत और अविश्वसनीय-सी संस्कृति कहीं है, तो वह है इस्त्राइल। अगर सामाजिक नवाचार के कहीं दर्शन होते हैं, तो वह है इस्त्राइल का किब्बुक्ज। इस्त्राइल विश्व के स्वाभिमानी, स्वावलंबी और वीर राष्ट्रों में से एक है। हिब्रू संस्कृति की हैरान कर देने वाली प्रगति और इस्त्राइल के पुनरुत्थान की जड़ें किब्बुत्ज में हैं। किसी देश का सांस्कृतिक अनुभव उस देश के मानव जीवन के सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू को सीखना होता है। एक अद्भुत राष्ट्र-शैली का अनुभव कराने वाला किब्बुत्ज इस्त्राइल की मूल संस्कृति का भी प्रतिनिधि है। वर्ष 1948 में अस्तित्व में आने के बाद से जितने सामूहिक आक्रमण इस्त्राइल ने झेले, मानव इतिहास में अन्य किसी ने कदाचित ही झेले हों। किब्बुत्ज व्यवस्था ने ही अपने अस्तित्व के प्रारंभिक वर्षों की अवधि में इस्त्राइल को बचाया। इस्त्राइल की जनसंख्या के केवल 5 प्रतिशत ही किब्बुत्ज निवासी थे, लेकिन उन्होंने देश का 50 प्रतिशत से अधिक खाद्यान्न पैदा किया। किब्बुत्ज के एक अभिनव सामाजिक संगठन और उनके निर्माण के पीछे की कल्पना शक्ति ने यहूदी जीवन में अद्भुत क्षमताओं का विकास किया। यह लेखक लंबे समय तक उत्तरी इस्त्राइल के किब्बुत्ज मिजरा में रहा, जो एक बड़े आकार का किब्बुत्ज है, जिसकी स्थापना 1923 में यूरोपीय प्रवासियों द्वारा की गई थी। यह यिज्रेल घाटी क्षेत्रीय परिषद के 15 और इस्त्राइल के कुल 270 किब्बुक्जों में से एक है। किब्बुत्ज एक कृषि समुदाय है। इनमें से अधिकांश समाजवाद के सिद्धांतों पर संगठित और धार्मिक सिद्धांतों पर आधारित हैं। पारंपरिक लोगों से वे अलग हैं, जिनमे व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए कोई स्थान नहीं। सभी किब्बुत्ज सुंदर और ग्राम्य परिवेश में स्थित हैं। सभी किब्बुत्ज वासी एक ही डाइनिंग हॉल में खाना खाते हैं। किसी के घर में कोई रसोई नहीं होती। परिवारों के खेत बंटे नहीं होते। किसी का कोई निजी खर्च नहीं होता। शिक्षा हो, चिकित्सा हो, विदेश यात्रा करनी हो, सभी का सारा खर्च किब्बुत्ज उठाता है। किसी की निजी आय हो, वह भी किब्बुत्ज की संपत्ति हो जाती है। खेती से, बाह्य सेवाओं से, होटलों से तथा विशिष्ट उत्पादों के निर्यात से

प्रत्येक किब्बुत्ज को भारी आय होती है, जिसका इस्त्राइल की सकल आय में महत्वपूर्ण योगदान होता है। आधुनिक विश्व में वे शांति, सुरक्षा, सौम्यता और सृजनशीलता के नखलिस्तान हैं। इस्त्राइल के अस्तित्व में आने से पूर्व 20वीं शताब्दी के प्रारभ में जब अमीर यहूदियों ने अरबों से भूमि खरीदी, तो सुनसान निर्जीव-सी पहाड़ियों के बीच यह क्षेत्र सांपों और बिच्छुओं से बुरी तरह पीड़ित था। चिकित्सा रिपोर्ट में यह भूमि मानव बस्तियों के लिए प्रतिकूल पाई गई। बुजुर्गों ने यह रिपोर्ट पढ़ी, तो उसे किसी तिजोरी में छिपा दिया, ताकि युवा विचलित न हों। उन्होंने युवाओं से कह दिया कि सब ठीक-ठाक है। सर्वप्रथम उन्होंने गायों के लिए शेड बनाए, फिर बच्चों के लिए सुरक्षित स्थान और अंत में वयस्कों के लिए आवास। यहूदियों के किब्बुत्ज के पहले बीस वर्ष के अनुभव शुद्धिकरण जैसे थे, लेकिन सब कुछ सहकर भी उन्होंने स्वयं को बचा लिया और एक दिन उन्हें अनुभूति हो गई कि उनका यह सामाजिक-सांस्कृतिक प्रयोग सफल रहेगा। यहूदी लोग जमीन खरीदते रहे और किब्बुत्ज जीवन शैली को आगे बढ़ाते रहे। किब्बुत्ज का इतिहास वास्तव में इस्त्राइल राष्ट्र से भी पुराना है। अपने ऐतिहासिक महत्व और अनूठी जीवन शैली से परे, किब्बुत्जों ने इस्त्राइल की पहचान और अनन्य विकास को आकार देने में विशिष्ट भूमिका निभाई है और देश की मजबूती में योगदान दिया है। कई किब्बुत्ज शुष्क क्षेत्रों में कृषि नवाचार में सबसे आगे रहे हैं। येरूशलम के पूर्व से लेकर मृत सागर (डेड सी) तक विस्तृत जुडियन डेजर्ट में कहीं-कहीं फसलों से लहराते खेत मिलेंगे, जिन्हें देखकर विश्वास ही नहीं होता कि ऐसी मरूभूमि में भी खेती हो सकती है। यह सब किब्बुत्ज के किसानों का पुरुषार्थ है! मरुभूमि को उपजाऊ खेतों में रूपांतरित करने की तकनीक, कला और साहस केवल इस्त्राइल के पास है। किब्बुक्जों की सामुदायिक जीवन शैली सामाजिक एकजुटता की मजबूत भावना को बढ़ावा देती है। सहयोग और साझेपन की भावना व्यापक इस्त्राइली समाज में व्याप्त है, जो विपरीत परिस्थितियों में देश की रक्षा और सामाजिक-आर्थिक-सांस्कृतिक विकास में योगदान देती है। संघर्ष के समय किब्बुत्ज एक मजबूत समाज के रूप में खड़े रहे हैं। युद्ध किब्बुत्ज मानसिकता का हिस्सा नहीं है। फिर भी, जब-जब अरब के साथ युद्ध छिड़ा, तो पाया गया कि इस्त्राइली सेना के जेट लड़ाकू पायलटों में से 25 प्रतिशत किब्बुत्ज वासी थे। इस्त्राइल की परिस्थितियों में एक जेट फाइटर का होना बहुत बड़ी बात है। इसके लिए उन सभी कौशलों की आवश्यकता होती है जो एक इंसान के पास होने अनिवार्य होते हैं- साहस, बुद्धिमत्ता, त्वरित सजगता, तप और पूर्ण समर्पण। इतनी बड़ी संख्या में जब जेट पायलट किब्बुत्जनिक होते हैं, तो किब्बुत्जों के लिए यह दिखाने का अवसर होता है कि वे शांतिप्रिय और विकासोन्मुखी होने के साथ युद्ध कलाओं में भी निपुण हैं। इस्त्राइल के किब्बुत्ज सांस्कृतिक गतिविधियों, कलाकारों, लेखकों और संगीतकारों के पोषण का केंद्र रहे हैं। उन्होंने इस्त्राइल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत में अद्वितीय योगदान दिया है। किब्बुत्ज के सदस्य प्रायः ऐसे काम करते हैं, जो उनके अद्वितीय समुदायों के लोकाचार और मूल्यों को दर्शाते हैं। किब्बुत्ज अपने सदस्यों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में सक्षम रहे हैं। इन सेवाओं ने उच्च मानक स्थापित किए हैं। इस्त्राइल के गौरवशाली इतिहास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ किब्बुत्जों को चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा है। इस्त्राइल का अच्छा मित्र होने पर भी अमेरिका समाजवादी मूल्यों पर आधारित किब्बुत्ज जीवन शैली के विरुद्ध रहा है। हालांकि उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण के दौर में सामाजिक-आर्थिक परिवर्तनों के कारण पारंपरिक- सामाजिक मॉडल का पुनर्मूल्यांकन हुआ है। इस्त्राइल के किब्बुत्जों ने बाजार-उन्मुख सुधारों का समावेश किया है, जिससे अधिक व्यक्तिगत आय, निजी संपत्ति स्वामित्व, और आर्थिक विविधीकरण के रास्ते खुले हैं। भले ही इस्त्राइल की आबादी में किब्बुत्जनिकों का अनुपात कम हो, उनका प्रभाव उस देश के सशक्तिकरण के रूप में विश्व को आज भी दिखाई पड़ रहा है।

संपूर्ण समाधान दिवस में आश्वासन लेकर लौटे 71 फरियादी

सिर्फ दो का हुआ मौके पर निस्तारण

संवाददाता

कानपुर। तहसीलदार ने बताया कि 73 शिकायतें आई, जिनमें से दो का मौके पर निस्तारण किया गया। बाकी शिकायतों को समय सीमा के अंदर निस्तारित करने के लिए संबंधित विभाग को निर्देश दिया गया।

कानपुर के बिल्हौर विकास खंड सभागार में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। डीएम विशाख जी, सीडीओ सुधीर कुमार, एसडीएम रश्मि लांबा व तहसीलदार तिमराज सिंह ने फरियादियों की शिकायतें सुनीं। इस दौरान 73 शिकायतें आई, जिनमें से सिर्फ दो का मौके पर निस्तारण हो

सका। बाकी शिकायतों को समय सीमा के अंदर निस्तारित करने के लिए संबंधित विभाग को निर्देश दिया गया। ऐसे में जिन फरियादियों की समस्या नहीं सुलटी, उन्हें मायूस होकर लौटना पड़ा। सर्वाधिक शिकायतें राजस्व विभाग की रहीं। समाधान दिवस में शिवराजपुर के सदिकामऊ गांव निवासी राम अवतार ने डीएम को शिकायतीपत्र देकर बताया कि गांव के ही कुछ दबंग उनके खेत और चकरोड पर कब्जा किए हुए हैं। वछना गांव निवारी रुजुंम ने घर पर बिजली का मीटर लगाने की मांग की। बिल्हौर के लालबहादुर शास्त्री नगर मोहल्ला निवासी इशरार अहमद ने पैतृक जमीन पर परिवार के ही कुछ लोगों पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। सहजना गांव निवासी रामसिया ने डीएम को शिकायतीपत्र देकर बताया कि उनके खेतों पर जाने वाले चकमार्ग पर आसपास के कई ग्रामीणों ने कब्जा कर लिया है।

विरोध करने पर करते हैं मारपीट

इससे ग्रामीणों को आवागमन में दिक्कत हो रही। महिगवां निवासी विकास यादव ने शिकायती की कि गांव के कुछ लोगों ने उनकी भूमि पर कब्जा कर लिया है, विरोध करने पर मारपीट करते हैं। रसूलपुर के मैकूलाल ने बताया कि जीटी रोड चौड़ीकरण में उनकी भूमि अधिग्रहित की गई, लेकिन मुआवजा आज तक नहीं मिला।

73 शिकायतें आईं, दो का मौके पर निस्तारण किया गया

पूरा निवासी हरिशचंद्र ने पट्टा की भूमि पर कब्जे की शिकायत की। बेरार्खानपुर गांव निवासी सूरज प्रसाद ने गांव के कुछ लोगों द्वारा हरे पेड़ काट कर बेचने की शिकायत की। तहसीलदार ने बताया कि 73 शिकायतें आई, जिनमें से दो का मौके पर निस्तारण किया गया।

दुकानदार को पैसे देने के लिए कहा तो दो भाईयों ने कर दी बुजुर्ग की हत्या

❖ सिर में ईंट मारकर की वारदात।

संवाददाता

रोहतक। सिर में ईंट मारकर घायल किया था। 15 दिन बाद कादिर अहमद ने दम तोड़ा है। जींद रोड स्थित पीर वाली गली में रात को झगड़ा हुआ था। हरियाणा के रोहतक में दुकानदार को पैसे देने के लिए कहा तो दो भाईयों ने ईंट मारकर बुजुर्ग की हत्या कर दी। जबकि उसके बेटे को घायल कर दिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस को दी शिकायत में पीर वाली गली निवासी चमन ने चार नवंबर को शिकायत दी थी कि शुक्रवार रात करीब साढ़े 10 बजे वह गली में खड़ा था। उसके बड़े भाई अमन ने पड़ोसी युवक साहिल से कहा कि दुकानदार के पैसे दे दो। साहिल ने कहा कि तुझे क्या है। इस बात पर दोनों के बीच झगड़ा हो गया।

आरोपी साहिल ने अपने भाई को बुला लिया। वह और उसके पिता छुड़वाने लगे तो आरोपियों ने पथराव शुरू कर दिया। एक ईंट उसके पिता कादिर अहमद के सिर में लगी। उन्होंने घायल हालत में अपने पिता को सिविल अस्पताल में दाखिल कराया, जहां से पीजीआई रैफर कर दिया गया। तभी से कादिर अहमद का पीजीआई में उपचार चल रहा था। घायल ने शनिवार की रात को दम तोड़ दिया। पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले को हत्या के केस में बदल दिया है। बुजुर्ग पर चार नवंबर को जानलेवा हमला किया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी भाईयों को गिरफ्तार कर लिया था, तभी से आरोपी न्यायिक हिरासत के जेल में बंद है। घायल की शनिवार रात को मौत हो गई। ऐसे में हत्या के प्रयास के केस को हत्या के मामले में बदल दिया है।

एक नज़र

एथलेटिक मीट में डीएवी मनई का प्रदर्शन शानदार

एजेंसी

लंज (कांगड़ा)। धर्मशाला में हुई राजकीय राज्यस्तरीय एथलेटिक मीट प्रतियोगिता में डीएवी मनेई के चार खिलाड़ियों ने भाग लेकर शानदार प्रदर्शन किया। अंशुल ने पांच पदक जीतकर स्कूल का नाम रोशन किया। अनुज ने रिले रेस में गोल्ड मेडल जीते। आशीष ने 100 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल जीता। सक्षम ने ऊंची कूद में कांस्य पदक जीता। स्कूल की चेयरपर्सन पीसाफ्त, एआरओ विक्रम सिंह, प्रबंधक डॉ. रश्मि जमवाल और डीएवी मनेई के प्रधानाचार्य दिनेश कौशल ने शारीरिक शिक्षक और स्टाफ को बधाई दी है।

रिमांड पर झपटमार, सुलझेंगी कई वारदात

एजेंसी

अंबाला। जीआरपी की गिरफ्त में आए मुख्य आरोपी बंधु नगर निवासी अर्जुन और उसके साथी पक्की सराय निवासी रोहित को शनिवार कोर्ट में पेश किया। उन्हें दो दिन के रिमांड पर जीआरपी के सुपुर्द किया। अब दोनों आरोपियों से ट्रेनों में हुई अन्य छीना-झपटी के मामलों में पूछताछ होगी। जानकारी यह भी सामने आई कि आरोपी अर्जुन ने कुछ वारदात को कुबूल ली हैं। जल्द ही चोरी हुए सामान की रिकवरी के लिए कार्रवाई होगी। अंबाला कैंट जीआरपी थाने के प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों के ठिकानों पर दबिश देकर सोना और मोती बरामद कर लिए हैं। दोनों को अब रिमांड पर लिया गया है, जिससे कि पिछले दिनों ट्रेनों में हुई छीना-झपटी के मामलों को सुलझाया जा सके, क्योंकि इन घटनाओं में भी अर्जुन और रोहित की संलिप्तता मिली है। इसका खुलासा भी जल्द किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अर्जुन एक शातिर झपटमार है। वो 2012 में पहले ऐसे ही एक मामले में पकड़ा था। इस दौरान उसने तीन से चार वारदात को अंजाम दिया। बीच में अचानक वो कहीं गायब हो गया। लेकिन कुछ दिनों में अचानक ट्रेनों में फिर छीना-झपटी की वारदात बढ़ने लगी थी तो शक की सुई अर्जुन पर गई, लेकिन सबूत न होने के कारण कार्रवाई में समय लग रहा था। जब 16 नवंबर को हीराकुंड एक्सप्रेस में ऐसी ही एक घटना हुई तो हुलिए के आधार पर शक की सुई अर्जुन पर गई। जब अर्जुन की फोटो व्यापारी को दिखाई गई तो उसने तुरंत उसे पहचान लिया। गौरतलब है कि अर्जुन ने अपने साथी रोहित के साथ मिलकर हीराकुंड एक्सप्रेस में छीना-झपटी की वारदात को अंजाम दिया था और वो 19 लाख 63 हजार का सोना लेकर फरार हो गया था।

मेरी बाली सी उमरिया, मत ना ब्याहिए मां... गीत पर थिरकीं छात्राएं

समूह और एकल लोक नृत्य में दिपाली समूह के छात्र रहे प्रथम, चिरंजीलाल महाविद्यालय में जिला युवा महोत्सव का आयोजन

एजेंसी

करनाल। पंडित चिरंजीलाल महाविद्यालय सेक्टर-14 जिला युवा महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें मेरी बाली सी उमरिया, मत ना ब्याहिए मां... जैसे हरियाणवी गीत पर छात्राएं जमकर थिरकीं। समूह नृत्य प्रतियोगिता में राजकीय पॉलिटेक्निक नीलोखेड़ी के दिपाली समूह ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए समूह नृत्य में प्रथम स्थान हासिल किया। एकल लोक नृत्य में भी दीपाली समूह की ही रितिका व रोहित ने प्रथम स्थान हासिल किया। जिले भर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के युवाओं ने विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में विजेता रहे प्रतिभागी अब राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग ले सकेंगे। जिला स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को 750 रुपये से 15 हजार रुपये तक के 48 पुरस्कार वितरित किए गए। इस बार जिला युवा महोत्सव में समूह लोक नृत्य, समूह लोकगीत, एकल लोक नृत्य, एकल लोकगीत, कहानी लेखन, पोस्टर मेकिंग, भाषण फोटोग्राफी व तत्कालीन व्याख्यान प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। इन प्रतियोगिताओं में 15 से 29 वर्ष आयु के युवाओं ने हिस्सा लिया। राज्य स्तरीय महोत्सव का आयोजन पांच से सात दिसंबर को आयोजित होना है। समूह नृत्य में दिपाली समूह राजकीय पॉलिटेक्निक प्रथम, एकल लोक नृत्य में दिपाली ग्रुप की ही रितिका, रोहित प्रथम, भाषण प्रतियोगिता में दीपक राणा प्रथम, पोस्टर मेकिंग में पंडित चिरंजीलाल महाविद्यालय की जन्नत प्रथम, विज्ञान की थीम आधारित गतिविधियां में पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुटेल के छात्रों का दबदबा रहा। विषयगत प्रतियोगिता व्यंजन में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के छात्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया। एकीकृत खेती प्रोटोटाइप पर विषयगत प्रतियोगिता में राजकीय औद्योगिक संस्थान के छात्रों ने अव्वल प्रदर्शन किया।

बलिदानी जवान जोगिंदर का पैतृक गांव में हुआ अंतिम संस्कार, नौ वर्षीय बेटे ने दी मुखाग्नि

एजेंसी

श्रीनगर। आईटीबीपी के हेड कांस्टेबल जोगिंद्र कुमार का रविवार को उनके पैतृक गांव अवताल काटला में अंतिम संस्कार किया गया। उनके नौ वर्षिय बेटे ने उन्हें मुखाग्नि दी। सांबा के आईटीबीपी के हेड कांस्टेबल जोगिंद्र कुमार का रविवार को उनके पैतृक गांव अवताल काटला में अंतिम संस्कार किया गया। उनके नौ वर्षिय बेटे ने उन्हें मुखाग्नि दी। गुरुवार को छत्तीसगढ़ में चुनाव ड्यूटी के दौरान आईईडी विस्फोट में गंभीर घायल हो गए थे। बाद में इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया । जोगिंदर कुमार सांबा की सीमावर्ती पंचायत सदोह के निवासी थे। जब उनका पार्थिव शरीर घर पहुंचा तो हर ओर चीख पुकार मच गई। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। बेटे के पार्थिव शरीर को देख मां बिलख गई। रविवार को पूरे सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। डीसी सांबा, एसएसपी सांब, आईटीबी के उच्च अधिकारी समेत सैकड़ों के संख्या में लोग जवान जोगिंद्र की अंतिम यात्रा में शामिल हुए। बलिदान हेड कांस्टेबल की पत्नी रेखा देवी ने बताया कि उसकी घटना से कुछ देर पहले पति के साथ वीडियो कॉल पर बात हुई थी। उन्होंने कहा था कि मैं जल्द ही छुट्टी लेकर घर आउंगा। इतना कहते ही ड्यूटी पर जाने की बात कहकर फोन काट दिया और बोले कि ड्यूटी से लौटते ही शाम को फोन करुंगा, पर क्या पता था कि मैं उनको आखिरी बार देख रही हूं और बात कर रही हूं।

मुस्लिम महिलाओं ने मांगी दुआ, मंदिरों में हवन

हर दिल से निकल रही बस एक ही दुआ...भारत विश्व विजेता

संवाददाता

उत्तराखंड। विश्व कप 2023 के फाइनल में आज भारत का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से है। मैच शुरू हो चुका है, वहीं दूसरी तरफ टीम इंडिया के वर्ल्ड चैंपियन बनने के लिए विशेष प्रार्थना और यज्ञ का दौर भी शुरू हो गया है। उत्तराखंड के कुमाऊं में पत्थरचट्टा में आनंदी मंदिर धाम में लोगों ने भारत की जीत के लिए हवन पूजन किया। तो वहीं सीरगोटिया में मुस्लिम महिलाओं ने दुआ मांगी। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने फाइनल में टॉस जीत लिया है। उन्होंने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। क्रिकेट प्रेमियों की नजर भी बस अब टीवी स्क्रीन पर है। कई जगह पर मैच के लिए सामूहिक इंतजाम किए गए थे। तो कहीं लोग

फोन लेकर बैठ गए हैं। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले इस मुकाबले को देखने के लिए कई हस्तियां पहुंची है। क्रिकेट वर्ल्डकप के फाइनल में भारत की जीत के लिए मंदिरों में पूजा-पाठ किए गए और मस्जिदों में दुआ हुई। परमार्थ निकेतन में टीम इंडिया के वर्ल्ड चैंपियन बनने के लिए शनिवार को विशेष प्रार्थना और यज्ञ का किया गया। परमार्थ के ऋषिकुमारों ने तिरंगा लहराते हुए भारत माता की जयकारों और वेदमंत्रों के साथ विशेष पूजन, हवन किया। क्रिकेट के इस महामुकाबले को लेकर फैंस उत्साहित है। हर कोई चाहता है कि भारत विश्व विजेता का ताज पहने और आस्ट्रेलिया से 2003 के वर्ल्डकप फाइनल की हार का बदला ले। मैच देखने के लिए टीवी के आगे खड़े हो गए लोग। ऑस्ट्रेलिया विश्व कप इतिहास की सबसे सफल टीम है। वह आठवीं बार फाइनल में उतरेगा। उसने पांच बार खिताब अपने नाम किया है। ऑस्ट्रेलिया 1987, 1999, 2003, 2007 और 2015 में विश्व कप जीतने में सफल हुआ है। टीम इंडिया की नजर उसे इस बार खिताब जीतने से रोकने पर है। भारत ने सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर फाइनल का टिकट कटाया है। वहीं, कंगारू टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत हासिल की। अब 20 साल बाद खिताबी मुकाबले में दोनों टीमें एक बार फिर से आमने-सामने होंगी। तब ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 125 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया था।

बांधवगढ़ में आदिवासी महिला CHO से चुनाव ड्यूटी के दौरान छेड़छाड़

❖ सेक्टर मजिस्ट्रेट पर केस दर्ज

एजेंसी

उमरिया। उमरिया से बांधवगढ़ विधानसभा क्षेत्र में निर्वाचन ड्यूटी के दौरान सेक्टर मजिस्ट्रेट द्वारा आदिवासी महिला ष्टाह्र से छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि सेक्टर मजिस्ट्रेट ने बीमारी का बहाना बनाकर महिला सीएचओ को अपने पास बुलाया था। जानें पूरा मामला...। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले के बांधवगढ़ विधानसभा क्षेत्र 89 के आकाशकोट इलाके में सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में एसडीओ पीआईयू पंकज गुप्ता को नियुक्त किया गया था। उनके सेक्टर में पांच पोलिंग बूथ पठारी कला, धवईझर, माली और तुम्मादर शामिल थे। इसी क्षेत्र में ग्राम बड़वार में पदस्थ 25 वर्षीय आदिवासी महिला

सीएचओ निवासी थाना मानपुर क्षेत्र की डियूटी मेडिकल सुविधा के लिए लगाई गई थी। इसी दौरान पंकज गुप्ता ने बीमारी का बहाना बना कर महिला सीएचओ को बुलाया और छेड़खानी की। इस घटना की शिकायत पर सेक्टर मजिस्ट्रेट के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक, 17 नवंबर को मतदान के दौरान दिन में लगभग ढाई बजे पोलिंग बूथ तुम्मादर में सेक्टर मजिस्ट्रेट पंकज गुप्ता ने एएनएम को फोन कर बुलाया। फिर कहा कि हमारी तबीयत खराब लग रही है, हमको दवा चाहिए। जबकि सीएचओ पोलिंग बूथ क्रमांक 160 पठारी कला में थीं। फोन आते ही वह तत्काल तुम्मादर पहुंचीं, जहां पोलिंग बूथ के बगल वाले कमरे में सेक्टर मजिस्ट्रेट पंकज गुप्ता लेटे हुए थे। उन्होंने कहा कि हम मोबाइल में दवा सर्च किए हैं, इसको देख लो। सेक्टर मजिस्ट्रेट के इतना कहने पर वह जैसे ही मोबाइल देखने को झुकीं तो एसडीओ पंकज गुप्ता सेक्टर मजिस्ट्रेट ने बुरी नीयत से उसका हाथ पकड़ कर अपनी तरफ खींच लिया। इसके कारण वह उनके ऊपर गिर गई, तब पंकज गुप्ता से वह बोलीं कि सर आप ये क्या कर रहे हैं। इस पर पंकज गुप्ता बोले कि तुम्हारे विभाग में ये सब चलता है, क्यों परेशान हो। तब महिला सीएचओ किसी तरह अपने आप को छुड़ा कर वहां से चिल्लाते हुए बाहर की तरफ भागीं। फिर अपने साथी सीएचओ संजीव उइके को फोन से सूचना दी। इसके बाद संजीव द्वारा तत्काल सीएमएचओ डॉक्टर आरके मेहरा को खबर दी गई। खबर मिलते ही सीएमएचओ तुम्मादर पहुंचे और सीएचओ को अपनी गाड़ी से उमरिया ले आए। टीआई कोतवाली राजेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि पीड़िता ने सारी घटना बताई। उसके बाद कोतवाली थाने में अपराध क्रमांक 647 पर धारा 354 आईपीसी और एससी एसटी एक्ट 3(2)(ङ्क) के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने अटका में बैठने का शुल्क घटाया, अब 5100 में चार लोग हो पाएंगे आरती में शामिल

जम्मू। अब दो बड़े और दो बच्चे (10 वर्ष तक) 5100 रुपये में मां की आरती में शामिल हो पाएंगे। इससे पहले प्रति व्यक्ति 2000 रुपये शुल्क था। कम किए गए शुल्क का फायदा ग्रुप को और ऑनलाइन बुकिंग पर ही मिलेगा। नवंबर से लेकर फरवरी तक श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ाने के लिए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने अटका आरती में शामिल होने का शुल्क कम कर दिया है। अब दो बड़े और दो बच्चे (10 वर्ष तक) 5100 रुपये में मां की आरती में शामिल हो पाएंगे। इससे पहले प्रति व्यक्ति 2000 रुपये शुल्क था। कम किए गए शुल्क का फायदा ग्रुप को और ऑनलाइन बुकिंग पर ही मिलेगा।

अशोकनगर में गरजे योगी आदित्यनाथ

❖ बोले- कुछ नहीं कर सकती तो कांग्रेस जैसा बोझ ढोने का क्या मतलब।

एजेंसी

अशोकनगर। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डबल इंजन सरकार का लाभ कैसे मिलता है, यह बीते सालों में मध्यप्रदेश ने देखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने मिलकर मध्यप्रदेश को बीमारू राज्य की स्थिति से उबारा और विकसित राज्यों की श्रेणी में खड़ा कर दिया है। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को पन्ना के पवई और अशोकनगर में सभाओं को संबोधित किया। उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस देश को सुरक्षा नहीं दे सकती, विकास और गरीब कल्याण के काम नहीं कर सकती, लोगों की आस्था का सम्मान नहीं कर सकती, तो उस कांग्रेस रूपी बोझ को ढोने का मतलब क्या है?

कांग्रेस का एजेंडा नहीं था विकास

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डबल इंजन सरकार का लाभ कैसे मिलता है, यह बीते सालों में मध्यप्रदेश ने देखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने मिलकर मध्यप्रदेश को बीमारू राज्य की स्थिति से उबारा और विकसित राज्यों की श्रेणी में खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकारें जो काम 55-60 सालों में नहीं कर सकी थीं, पीएम-सीएम की जोड़ी ने वह काम सिर्फ 9 सालों में कर दिखाया है। हर गरीब के पास सिर छुपाने के लिए छत होना, गरीब के घर में शौचालय का निर्माण होना, हर गरीब को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पांच लाख तक इलाज की सुविधा उपलब्ध कराना, हर घर में बिजली पहुंचाना, उज्जवला योजना में गैस कनेक्शन देना जैसे काम कांग्रेस भी कर सकती थी। उसे भी 60 सालों तक काम करने का मौका मिला था। लेकिन विकास उसके एजेंडे का हिस्सा नहीं रहा। गरीबों, वनवासियों, दलितों का कल्याण उसके एजेंडे का हिस्सा कभी नहीं रहा।

वोट बैंक की राजनीति करती रही कांग्रेस

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस देश को जातियों के नाम पर बांटती रही। हमारे सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करती रही। जब सरकार की तरफ से कुछ देने की बात आती थी, तो कांग्रेस कहती थी कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार मुसलमानों का है। कांग्रेस ने कभी यह नहीं कहा कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार गरीबों का है। कभी ये नहीं कहा कि संसाधनों पर पहला अधिकार देश के किसानों, नौजवानों, बहनों, माताओं का है। कांग्रेस वोट बैंक की राजनीति करती रही। 2014 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनी तो उन्होंने कहा कि मेरी सरकार गरीबों की, वंचितों की, दलितों की, आदिवासियों, किसानों, महिलाओं, नौजवानों की सरकार है और सभी वर्गों के लिए काम करेगी। उन्होंने %सबका साथ, सबका विकास% का नारा दिया, जिसमें समग्रता का भाव है। समग्रता की यही भावना रामराज्य की आधारशिला है।

कांग्रेस समस्याएं पैदा करती है

योगी ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ समस्याएं पैदा करती है। ये समस्याएं उसकी वोट बैंक की राजनीति का आधार रही हैं, इसलिए वो इन समस्याओं को पोषित करती रही है, उनका समाधान नहीं किया। इन समस्याओं का समाधान प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार कर रही है। कांग्रेस ने 370 लगाई, भाजपा ने कश्मीर से धारा 370 हटा दी। कांग्रेस के समय में देश में पनपे अलगाववाद, आतंकवाद और नक्सलवाद की समस्याओं पर भी भाजपा की सरकार नकेल लगा रही है। कांग्रेस के समय में लोग कोई पर्व, कोई त्योहार सुख शांति से नहीं मना पाते थे। हर त्योहार के पहले ही कर्फ्यू लग जाता था, लेकिन आज देश में शांति है और लोग आनंदपूर्वक अपने पर्व-त्योहार मना रहे हैं।

विकास के रास्ते पर तेजी से बढ़ रहा मध्यप्रदेश

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस ने जिस मध्यप्रदेश को बीमारू राज्य बना दिया था, मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान की सरकार उसे विकास के रास्ते पर लेकर आई है। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ प्रदेश को मिल रहा है। आज मध्यप्रदेश देश में सबसे ज्यादा कृषि विकास दर वाला राज्य है। यहां का स्वादिष्ट शरबती गेहूं पूरी दुनिया में अपनी पहचान बना रहा है। प्रदेश में नए उद्योग लग रहे हैं, इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास हो रहा है, नए हाईवे बन रहे हैं, अच्छी सड़कें बन रही हैं। मेडिकल कॉलेज, एम्स, आईआईटी और आईआईएम जैसी संस्थाओं की श्रृंखला प्रदेश में खड़ी हो रही हैं, जिनसे प्रदेश के युवाओं को उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान की सरकार ने जिस तरह से मध्यप्रदेश को वेलफेयर स्टेट बनाया है, यही रामराज्य की अवधारणा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश विकास के इस रास्ते पर और तेजी से आगे बढ़ सके, इसके लिए भाजपा की सरकार होना जरूरी है।

मामा ने भांजे की धारदार फावडा मारकर की हत्या

मात्र 9 से 10 घंटे के अंदर पुलिस की मिली बड़ी सफलता

❖ आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल।

संवाददाता

कदौरा/जालौन। गलत आदतों व शक के आधार पर मामा के घर आए भांजे को मामा ने फाडवे से काट डाला जिस पर उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया वही आरोपी की पुत्री की तहरीर पर पुलिस ने पिता के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था मगर क्षेत्राधिकारी डॉ देवेंद्र पचौरी व थाना अध्यक्ष अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में कुछ ही घंटों में आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया वही सूचना पर पहुँचे सीओ ने भी घटना स्थल का निरीक्षण किया और परिजनों से पुछतक्ष की है शुक्रवार को ग्राम दौलतपुर कोतवाली औरैया निवासी सुनील कुशवाहा पुत्र श्यामलाल कुशवाहा अपने मामा बीर सिंह पुत्र स्व0 हरीराम निवासी कुआं खेड़ा थाना कदौरा आया था रात लगभग 11 बजे सुनील व वीर सिंह मकान के बाहर डले तख्त पर लेट गए और बाकी परिजन घर के अंदर सो गए रात लगभग 2 बजे सुनील के चीखने की आवाज आई तो बड़ी पुत्री दीवार फांद कर बाहर आई तो देखा की उसका पिता सुनील पर फावड़े से मार रहा है जिसने गांव में शोर मचाया तो पिता भाग गया रात को ही तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी तो मौके पर पहुंची पुलिस ने लहूलुहान सुनील को सीएचसी ले कर आई जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया घटना के संबंध में थाना अध्यक्ष अजय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया की आरोपी को शक था की मृतक का उसकी पत्नी के साथ अवैध संबंध है जिस पर कई बार दोनो में विवाद भी हुआ था वही पुलिस ने आरोपी की पुत्री पिंकी देवी की तहरीर पर पिता के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है इस संबंध में सीओ देवेंद्र पचौरी ने बताया की हत्या करने के बाद आरोपी फरार हो गया था मगर घटना के 9 से 10 घंटे के अंदर बबीना गांव के पास कठपुरवा मोड़ पर मुखविर की सूचना पर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है ।

शिकायत लेकर एसएसपी दफ्तर पहुंची पत्नी, बताई चौंकाने वाली वजह

बरेली। बरेली में बारादरी थाना क्षेत्र की महिला ने पति पर घर से रुपये चोरी कर प्रेमिका पर लुटाने का आरोप लगाया है। महिला शनिवार को शिकायत करने एसएसपी दफ्तर पहुंची। उसने बताया कि पति के किसी दूसरी महिला से संबंध हैं। वह उस पर रुपये लुटाता है। विरोध करने पर पति ने उसे पीटकर बेटी समेत घर से निकाल दिया है। बारादरी के संजय नगर निवासी महिला ने बताया कि उसकी शादी को 11 साल हो चुके हैं। उसकी आठ साल की बेटी है। शादी के बाद से ही ससुरालवाले दहेज की मांग को लेकर उसका उत्पीड़न कर रहे हैं। पति अक्सर उसकी पिटाई करता है। महिला ने बताया कि वह घर में जो भी रकम बचत करके जोड़ती है, उसे पति चोरी कर ले जाता है। महिला के मुताबिक उसके रुपये कई बार चोरी हुए तो उसने पति से पूछा। विरोध करने पर उसे धमकाया गया। बाद में उसे किसी तरह पता लगा कि पति के दूसरी महिला से अवैध संबंध हैं।

हारजीत की बाजी लगाते आधा दर्जन लोग गिरफ्तार

संवाददाता

कालपी(जालौन)। बीती शाम को स्थानीय नगर के मोहल्ला हरीगंज में सार्वजनिक स्थान में हारजीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे आधा दर्जन लोगों को कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कामता प्रसाद ने गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मोहल्ला हरीगंज स्थित बिहार घाट के पास हारजीत की बाजी लगा रहे थे। मुखबिर से सूचना मिलने पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कामता प्रसाद, महमूदपुर चौकी इंचार्ज उपनिरीक्षक संतोष शुक्ला, रामगंज चौकी इंचार्ज धर्मेंद्र कुमार की टीम ने घेराबंदी कर जुआ खेल रहे आरोपियों महिपाल पुत्र कामता प्रसाद निवासी मोहल्ला हरीगंज, अक्षय पुत्र चिरौंजी श्रीवास्तव मोहल्ला किलाघाट, नौशाद पुत्र शहादत निवासी मोहल्ला रामचबूतरा, मोती चंद्र वर्मा पुत्र राधेश्याम निवासी मोहल्ला हरीगंज, राजेश सोनकर पुत्र सुरेश सोनकर निवासी मोहल्ला हरीगंज, अरविंद यादव पुत्र मान सिंह यादव निवासी मोहल्ला हरीगंज को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मालफड़ से साढ़े 12 हजार रुपए, जमा तलाशी में 680 रुपए बरामद करने में सफलता हासिल की है। प्रभारी निरीक्षक के मुताबिक सभी आरोपियों के खिलाफ जुर्म धारा 13 जी एक्ट का मुकदमा दर्ज करके चालान कर दिया।

एक नज़र

शासन ने आधुनिक कान्हा गौशाला निर्माण के लिए एक करोड़ 65 लाख रुपए की दी मंजूरी

विधायक की पहल पर कालपी में बड़े प्रोजेक्ट की स्वीकृति मिलने पर नागरिकों ने खुशी जताई

कालपी(जालौन)।

इलाकाई विधायक विनोद चतुर्वेदी की पहल पर कालपी क्षेत्र में एक बड़े प्रोजेक्ट की मंजूरी मिल गई है। सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो कालपी नगर में 1 करोड़ 65 लाख रुपए की लागत से आधुनिक कान्हा गौशाला का निर्माण का कार्य जल्द शुरू हो जाएगा। विदित हो कि गौवंशो के संरक्षण के लिए काफी दिनों से नागरिकों के द्वारा मांग की जा रही थी। नगर पालिका परिषद कालपी के द्वारा नगर के मोहल्ला आलमपुर में गौशाला का संचालन कराया जा रहा है, जिसमें सीमित संसाधन है। गायों के सही रखरखाव तथा भवन बनाने के लिए नागरिकों के द्वारा कई बार मांग उठाई जाती रही है। गत महीने क्षेत्रीय विधायक विनोद चतुर्वेदी के द्वारा आलमपुर गौशाला का निरीक्षण किया था। आलमपुर गौशाला को कान्हा गौशाला का दर्जा दिलाने के लिए क्षेत्रीय विधायक विनोद चतुर्वेदी ने कान्हा गौशाला के निर्माण कराने के लिए नगर विकास मंत्री ए.के शर्मा तथा शासन के उच्च अधिकारियों को प्रस्ताव भेजा था। विधायक विनोद चतुर्वेदी ने शासन स्तर पर पहल की गई। नगर विकास मंत्री एके शर्मा से भी विधायक विनोद चतुर्वेदी ने कान्हा गौशाला निर्माण के लिए अनुरोध किया गया। क्षेत्रीय विधायक विनोद चतुर्वेदी ने बताया कालपी में प्रस्तावित कान्हा गौशाला निर्माण के मंजूरी की पत्रावली शासन स्तर पर चलाई गई। फलस्वरुप शासन स्तर पर कान्हा गौशाला निर्माण के लिए मंजूरी मिल गई है। शनिवार को नगर विकास मंत्रालय के अधिकारियों के द्वारा अवगत कराया है कि शासन स्तर से कालपी में कान्हा गौशाला निर्माण के लिए स्वीकृत हो चुकी है। उन्होंने बताया क्या कान्हा गौशाला निर्माण के लिए एक करोड़ 65 लाख रुपए का प्रोजेक्ट है। कान्हा गौशाला में आधुनिक भवन, गायों, बछड़ों के ठहराव करने अलग-अलग छायादार हालो का निर्माण , पेयजल, रोशनी, सफाई की व्यवस्थाओं के अलावा भूसा चार रखने के भवन का निर्माण कराया जाएगा। विधायक के मुताबिक कान्हा गौशाला के लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की जाएगी। पहली किस्त के रूप में 82 लाख रुपए आवंटित की जायेगी। उन्होंने उम्मीद जताई के सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो जल्द ही आधुनिक कान्हा गौशाला निर्माण कार्य पूरा करा लिया जायेगा।

एसडीएम के समक्ष प्रस्तुत हुई 35 शिकायतें,5 मामले मौके पर निपटे

कालपी(जालौन)। तहसीलदार शेर बहादुर सिंह की मौजूदगी में उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल की अध्यक्षता में तहसील स्तरीय समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस मौके पर फरियादियों के द्वारा 35 शिकायते प्रस्तुत की गई। मौके पर 5 मामले निपटाए गए। स्थानीय तहसील के सभाकक्ष में सुबह 10 बजे से शुरू हुए समाधान दिवस मे सबसे ज्यादा राजस्व संबंधी मामले प्रस्तुत किए गए। महावीर निवासी ग्राम बागी ने खेत की मेड़ बंदी को विपक्षियों के द्वारा नुकसान पहुंचाने की शिकायत की। ज्ञान सिंह ग्राम बड़गांव के द्वारा पट्टे वाली जमीन में पैमाइश करने की मांग उठाई। दानिश रशीद निवासी मोहल्ला अदल सरांय कालपी ने सरकारी रास्ते की पैमाइश कराकर अवैध कब्जे को रोकने की मांग की। बाल मुकुंद तिवारी पूर्व प्रधानाचार्य ने मकान के सामने चबूतरे में ईट तथा निर्माण सामग्री फैलाने की शिकायत की। अमर सिंह के द्वारा लोहार गांव में स्थित राजकीय नलकूप संख्या 177 में विद्युत तथा यांत्रिक दोष की वजह से खराबी की शिकायत करते हुए सुधारने की मांग की है। उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी शिकायतों का मौके पर जाकर के गुणवत्ता पूर्वक समाधान कराए जाए। इसमें किसी भी प्रकार की हीला हवाली नहीं होनी चाहिए। समाधान दिवस में तहसीलदार शेर बहादुर सिंह, नायब तहसीलदार हरदीप सिंह,नीलमणि सिंह, पूर्ति निरीक्षक याकूब हसन, खंड शिक्षाधिकारी सुनील कुमार राजपूत, विद्युत उपखंड अधिकारी आदर्श राज ,कदौरा एसडीओ राजेश पटेल, मंडी समिति कालपी के निरीक्षक आनंद कुमार, मंडी समिति कदौरा के सचिव नितिन गौतम , कोतवाली कालपी के एडिशनल इंस्पेक्टर मोहम्मद अशरफ , आटा, कदौरा के थानेदार, भूमि संरक्षण अधिकारी ज्ञान प्रकाश सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर जालौन में सुंदरकांड व हनुमान चालीसा पाठ सम्पन्न

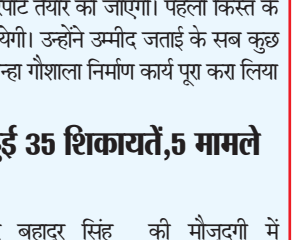

उई जालौन । नमो नमो सनातन हिन्दूमहासभा के तत्वावधान में शनिवार 18 नवम्बर को श्री लक्ष्मीनारायण मन्दिर पुरानी गल्ला मंडी जालौन में सुंदर कांड व हनुमान चालीसा पाठ सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम हनुमान जी महाराज का पूजन पुजारी पँडित चन्द्रशेखर तिवारी द्वारा किया गया।हनुमान जी महाराज के पूजन के उपरांत सामूहिक सुंदर कांड व हनुमान चालीसा पाठ किया गया।हनुमानजी महाराज की आरती के बाद सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया ।सुंदर कांड पाठ में नमो नमो हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगवती प्रसाद मिश्रा राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष वाचस्पति मिश्रा राष्ट्रीय महामंत्री त्रिलोकी नाथ गुप्ता प्रदेश उपाध्यक्ष सन्तोष कुमार द्विवेदी कैथवा प्रदेश मंत्री महेशचन्द्र दिवेदी बुंदेलखंड अध्यक्ष दिनेश लोहिया मिथलेश मिश्रा इन्द्रजीत सिंह गुर्जर सन्तोष सोनी महेश चौधरी अखलेश गुप्ता अतुल द्विवेदी गोविन्द शरण मिश्रा रविशंकर पाटकार शशिकांत वर्मा राहुल यादव सहित संगठन के पदाधिकारी व क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

भाजपा ने निकाली अनुसूचित जनजाति गौरव यात्रा

यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विद्याभूषण गोड रहे मौजूद

संवाददाता

उरई (जालौन)। भाजपा अनुसूचित जनजाति गौरव यात्रा ने उरई की अनुसूचित जनजाति की झोपड़पटटियों में जाकर जनसंपर्क किया यात्रा के मुख्य अतिथि अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विद्याभूषण गोड रहे उन्होंने बताया कि यह यात्रा प्रदेश के सभी छह क्षेत्रों में निकाली गई है यह यात्रा कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र की है यह यात्रा बुंदेलखंड के सभी 19 जनपदों में जाएगी उन्होंने झोपड़पट्टी में रहने वाले लोगों से संवाद किया और उन्हें अस्वस्थ किया कि भाजपा सरकार आपके साथ हैआपके हर सुख दुख में साथ रहेगी और झोपड़पट्टी में रहने वाले लोगो की राशन कार्ड बनने व रहने की समस्याओं को हल करने का भरोसा दिलाया मुख्य रूप से उपस्थित जिला जिला उपाध्यक्ष रामानुग्रह राजावत, देवेंद्र यादव, विवेक कुशवाहा, मनोज यादव, अमित निरंजन, वीर प्रताप जादौन, पुष्पेंद्र सेगर, अरुण गुप्ता, गिरीश चतुर्वेदी एवं भाजपा के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नगर पंचायत कार्यालय में पंजीकरण न कराने पर ई रिक्सा चालको पर होगी कड़ी कार्यवाही

संवाददाता

कदौरा/जालौन। नगर व क्षेत्र में सैकड़ो की संख्या में बगैर दस्तावेजो के ई रिक्सा चलाये जा रहे है और चालको के भी दस्तावेज नही है जिससे आये दिन जाम के साथ साथ दुर्घटनाये भी होती रहती है जिसमे यातायात व्यवस्था में सुधार और आए दिन लगने वाले जाम से निजात दिलाने के नगर पंचायत के द्वारा अवैध ई-रिक्शा चालकों को विरुद्ध कार्रवाई करने जा रही है। शनिवार को नगर पंचायत कार्यालय में अधिशाषी अधिकारी वेद प्रकाश यादव ,नगर पंचायत अध्यक्ष के प्रतानिधि रविकांत शिवहरे,व समस्त सभासदों संग वैठक कर अवैध ई रिक्शा चालकों पर लगाम लगाने व ई-रिक्शा चालकों का पंजीकरण कराने को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष के प्रतानिधि रविकांत शिवहरे ने जानकारी देते हुये बताया कि नगर व क्षेत्र में सैकड़ो के हिसाब से ई रिक्सा चल रहे है जिसमे किसी के भी ई रिक्सा व चालक के दस्तावेज नही है और भीड़ भाड़ वालो इलाको में जाम की समस्या आये दिन होती रहती और ई रिक्सा वालो के साथ दुर्घटना भी होती रहती है,उन्होंने आगे बताया कि अब नगर पंचायत कार्यालय में ई रिक्सा का पंजीकरण कराने की तैयारी की जा रही जिसमे हर ई रिक्शा का एक सीरियल नंबर होगा और हर ई रिक्से के दस्तावेज कार्यालय में जमा रहेगे जिसका बार्षिक शुल्क 350 रुपये लगभग होगा अगर जो ई रिक्सा चालक ने अपने रिक्से का पंजीकरण नही कराते है तो उन लोगो के ऊपर कड़ी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी और ई रिक्सा वाहन को कार्यालय में जमा कर लिया जाएगा।

पूरे प्रदेश में विकसित भारत संकल्प यात्रा का किया जा रहा आयोजन-संयुक्त सचिव

❖ यात्रा के माध्यम से ग्रामीण एवं नगरी क्षेत्र में सरकार की ओर से संचालित योजनाओं का किया जायेगा प्रचार प्रसार।

संवाददाता

उरई (जालौन)। संयुक्त सचिव प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग भारत सरकार श्री पुनीत यादव ने जनपद में होने वाली विकसित भारत संकल्प यात्रा की तैयारी के संबंध में विकास भवन के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में समीक्षा बैठक की गई। उन्होंने कहा कि यह अनूठी यात्रा देशभर में विकास और प्रगति को गति देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल है। संयुक्त सचिव ने कहा कि हर पात्र व्यक्ति तक सरकार की ओर से संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार की ओर से विकसित भारत संकल्प यात्रा शुरू की जा रही है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत एवं शहरी क्षेत्र में कैंप आयोजित कर योजनाओं से वंचित पात्र लोगों को चिन्हित कर और मौके पर ही पंजीकरण के साथ उनको लाभांवित किया जाए। इस अभियान के सफल संचालन एवं नियमित मॉनिटरिंग के लिए प्रत्येक स्तर पर समिति गठित की जाए प्रत्येक स्तर पर आयोजित कार्यक्रम की फोटो व वीडियो के साथ इसकी पूरी रिपोर्ट पोर्टल पर भी अपलोड की जाए। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए सरकार ने अनेक स्तर पर प्रयास किए हैं। इसी क्रम में मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मंशानुरूप एवं मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर 15 नवंबर 2023 से 26 जनवरी 2024 तक पूरे प्रदेश में विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस यात्रा के माध्यम से ग्रामीण एवं नगरी क्षेत्र में सरकार की ओर से संचालित योजनाओं का प्रचार प्रसार किया जाएगा बल्कि पात्र एवं संभावित लोगों के नामांकन की प्रक्रिया को ऑन द स्पॉट पूर्ण किया जाएगा। विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य जनपद के ग्रामीण एवं नगरी क्षेत्र में संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जन जागरूकता के माध्यम से वंचितों कमजोरों, जो पात्र होते हुए लाभ से वंचित हैं ऐसे पात्र लोगों तक लाभ पहुंचना है। सरकारी योजनाओं के संबंध में लाभार्थियों से बातचीत एवं व्यक्तिगत कहानियां और अनुभवों को साझा करेंगे। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत जनपद में आईईसी वैन द्वारा निर्धारित अवधि में ऑडियो व वीडियो विजुअल, ब्रोशर, पंपलेट व बुकलेट आदि के माध्यम से जनहित योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार सुनिश्चित किया जाएगा साथ ही पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित किया जाएगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, मुख्य विकास अधिकारी भीमजी उपाध्याय, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे विशाल यादव, अपर पुलिस अधीक्षक असीम चौधरी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नरेंद्र देव शर्मा, परियोजना निदेशक शिवाकांत द्विवेदी,श्रम उपायुक्त अवधेश दीक्षित, उप कृषि निदेशक एसके उत्तम, समाज कल्याण अधिकारी प्रवीण सिंह, कृषि अधिकारी गौरव यादव आदि संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

लूट-रंजिश के बीच उलझी शिवम की हत्या की गुत्थी

बरेली। शाहजहांपुर में कार चालक शिवम गुप्ता की हत्या की गुत्थी लूट और रंजिश में उलझ गई है। जांच में पता चला कि पहले उसका गला कपड़े से कसा गया। इसके बाद सिर पर ईंट से वार कर हत्या कर शव फेंक दिया। ऐसे में बहनोई और उसके परिजन पर हत्या का आरोप पुलिस के गले नहीं उतर रहा। पुलिस का अनुमान है कि कार लूट की वजह से शिवम की हत्या की गई होगी। बरेली के सेटेलाइट बस अड्डे से कार लेकर निकले फरीदपुर के गांव दलपुरा निवासी चालक शिवम गुप्ता (28) की गला घोंटकर और ईंट से सिर कुचलकर हत्या कर दी गई थी। शुक्रवार दोपहर उनका शव मीरानपुर कटरा रेलवे स्टेशन के पीछे गन्ने के खेत के पास मिला थी। उसकी कार का पता नहीं चला। शिवम के भाई ने अपनी बहन के ससुराल वालों पर शक जताते हुए पांच लोगों के खिलाफ हत्या की तहरीर दी है।

डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

42 शिकायती पत्रों में मौके पर 7 का हुआ निस्तारण

संवाददाता

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में तहसील उरई में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को गंभीरता पूर्वक से सुना, 42 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें से 07 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया शेष शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों को तत्परता से निराकरण करना सुनिश्चित करें, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी, जन शिकायतों व समस्याओं का निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया की शिकायतों के निस्तारण के प्रति संवेदनशीलता दिखाएं और मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए शिकायतों का समयबद्धता से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा की विरासत के मामलों में ढलाई न बरती जाए साथ ही खतौनी में त्रुटियों को यथाशीघ्र निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए के भूमि संबंधी विवादों के लिए पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर भेज कर सत्यापन कर निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को समयबद्ध निस्तारण किया जाए साथ ही निस्तारण में शिकायतकर्ता भी संतुष्ट रहे या सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस में नलकूप संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता पर निस्तारण किया जाए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बरतने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। उन्होंने विद्युत आपूर्ति रोस्टर अनुसार सुनिश्चित करने हेतु तहसील स्तर ब्लॉक स्तर व थाना स्तर पर रजिस्टर बनाएं जिसमें कितनी बार बिजली गई उसका समय रजिस्टर में अंकित किया जाए। सिंचाई विभाग को निर्देशित किया कि शिल्ट सफाई कर 5 दिन के अंदर नहर में पानी दिया जाए जिससे किसान समय से सिंचाई कर सकें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संजय कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक असीम चौधरी, क्षेत्राधिकारी गिरजा शंकर त्रिपाठी व तहसीलदार भूपेंद्र सिंह आदि संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

बन्द विद्यालयों का नहीं ले रहा कोई संज्ञान

संवाददाता

बदायूं। मुजरिया क्षेत्र के आधा दर्जन से अधिक प्राथमिक विद्यालय दोपहर 12:00 बजे से ही बंद रहे क्योंकि एक विद्यालय में गैर जनपद के शिक्षक प्रतिदिन बंद करते हैं अब प्रीतिदिन आगमन करते हैं जिसके चलते रविवार होने के नाते प्रत्येक शनिवार को 12:00 बजे से ही स्कूल बंद करके शिक्षक चले जाते हैं तथा बच्चों की छुट्टी कर देते हैं ऐसे में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने किसी प्रकार का कोई संज्ञान उक्त विद्यालयों का नहीं लिया गया है और ना ही खंड शिक्षा अधिकारी इसका कोई संज्ञान लेते हैं क्योंकि ब्लॉक में ए आर पी का गठन किया गया है ए आर पी की रिपोर्ट के आधार पर ही पूरी तरह से सत्यापन ठीक माना जाता है शिक्षा विभाग की सहसवान ब्लाक में पूरी तरह से मनमानी चल रही है लेकिन शिक्षा के प्रति उदासीनता है जो प्राथमिक विद्यालय धर्मपुर धुरी नगला विचोला टप्पा जमिनी तथा उझानी ब्लॉक के ज्योरा संविलियन विद्यालय आदि बंद रहे

75 फीसदी रोजगार कानून राज्य व उद्योगों के हित में, सुप्रीम कोर्ट जाएंगे: उपमुख्यमंत्री चौटाला

संवाददाता

चंडीगढ़। रोजगार कानून रद्द होने के बाद दुष्यंत चौटाला की पहली प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। फैसले का अध्ययन कर रहे हैं, आपत्तियों की गंभीरता से समीक्षा कर रहे हैं। हरियाणा में निजी नौकरियों में 75 फीसदी आरक्षण का फैसला रद्द होने के बाद उपमुख्यमंत्री व जजपा प्रमुख दुष्यंत चौटाला की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने 75 फीसदी रोजगार कानून को राज्य व उद्योगों के हित में बताया है। उन्होंने कहा कि वह हाईकोर्ट के फैसले का अध्ययन कर रहे हैं। हाईकोर्ट ने इसमें जो आपत्तियां उठाई हैं, उसकी गंभीरता से समीक्षा कर रहे हैं। इस फैसले के खिलाफ जल्द ही सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। इस कानून के प्रति अपनी निष्ठा को जताते हुए उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट ने पहले भी इस फैसले पर रोक लगाई

थी। उस फैसले के खिलाफ राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट गई थी। सुप्रीमकोर्ट के आदेश पर हाईकोर्ट ने दोबारा सुनवाई शुरू की थी। हाईकोर्ट का यह फैसला चौटाला के लिए झटका है। दरअसल साल 2019 में विधानसभा चुनाव के दौरान जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) ने चुनावी वादा किया था कि सत्ता में आने पर राज्य के निवासियों के लिए निजी क्षेत्र की नौकरियों में 75 फीसदी आरक्षण देंगे। पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट ने अपने 83-पृष्ठ के फैसले में हरियाणा राज्य स्थानीय उम्मीदवारों के रोजगार अधिनियम, 2020 को असंविधानिक ठहराया। साथ ही फैसला दिया कि यह कानून लागू होने की तारीख से अप्रभावी हो जाएगा। यह फैसला अधिनियम के कार्यान्वयन के खिलाफ कई औद्योगिक संघों द्वारा दायर कई याचिकाओं के बाद आया। 15 जनवरी, 2022 को लागू हुआ कानून, राज्य के उम्मीदवारों को निजी क्षेत्र की नौकरियों में 75 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करता है। इसमें अधिकतम सकल मासिक वेतन या 30,000 रुपये तक की मजदूरी देने वाली नौकरियां शामिल थीं। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि इस कानून से सभी उद्योगपति सहमत हैं। राज्य के उद्योगों में स्थानीय कुशल युवाओं का होना जरूरी है। इस कानून का फायदा राज्य के साथ उद्योगों को मिलना था। कानून बनाने के पीछे के इरादे को स्पष्ट करते हुए उन्होंने बताया कि सरकार का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को रोजगार देना है और उद्योगों को कुशल युवा। राज्य की उन्नति के लिए राज्य सरकार व उद्योगों को मिलकर काम करना है। चौटाला ने बताया कि स्थानीय युवाओं को रोजगार देने से उनके रहने व आने-जाने की समस्याएं नहीं होगी। इससे उद्योगों के विकास में भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्योगों को फायदा मिला है। राज्य सरकार की नीतियों की वजह से ही प्रदेश में बड़े-बड़े उद्योग विकसित हो रहे हैं।

कांग्रेस पर साधा निशाना

डिप्टी सीएम ने यह भी कहा कि पूर्व कांग्रेस सरकार के समय में हरियाणा में स्थानीय कुशल युवाओं की कमी के चलते कई बड़े उद्योग अन्य राज्यों में पलायन किए थे लेकिन मौजूदा गठबंधन सरकार के प्रयासों से आज नए बड़े उद्योग प्रदेश में विकसित हो रहे है। इतना ही नहीं हरियाणा सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम युवाओं को रोजगार के लिए कुशल बना रही है ताकि स्थानीय युवाओं की अपने क्षेत्र में उद्योगों और प्रदेश की उन्नति में अहम भागीदारी सुनिश्चित हो।

बीजेपी और जेजपी सरकार ने युवाओं को छला है: किरण चौधरी

हरियाणा की पूर्व नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस विधायक किरण चौधरी ने कहा है कि हरियाणा में भाजपा-जजपा ने प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में आरक्षण का झांसा देकर उन्हें गुमराह किया। उन्होंने कहा कि यदि आदेश को ढंग से तैयार किया जाता और सरकार की ओर से मजबूत पैरवी होती तो यह दिन नहीं देखना पड़ता। सरकार की मंशा कभी भी हरियाणा के युवाओं को रोजगार देने की नहीं रही है।

मनाली में पर्यटन कारोबार ने पकड़ी रफ्तार, पांच दिन में 15,000 से अधिक पर्यटक वाहन पहुंचे

संवाददाता

मनाली (कुल्लू)। रोहतांग दर्रा समेत मनाली के पर्यटन स्थलों में रौनक बढ़ गई है। शाम होते ही मनाली मालरोड भी पर्यटकों से गुलजार होने लगा है। शनिवार को 654 पर्यटक वाहन रोहतांग पहुंचे।

सर्दी की दस्तक और पहाड़ों में बीते दिनों हुई ताजा बर्फबारी के बाद मनाली का पर्यटन कारोबार रफ्तार पकड़ने लगा है। पिछले पांच दिनों में मनाली में 15,000 से अधिक पर्यटक पहुंचे हैं। रोहतांग दर्रा समेत मनाली के पर्यटन स्थलों में रौनक बढ़ गई है। शाम होते ही मनाली मालरोड भी पर्यटकों से गुलजार होने लगा है। शनिवार को 654 पर्यटक वाहन रोहतांग पहुंचे। पांच दिनों में करीब 3,000 पर्यटक वाहनों में हजारों पर्यटक रोहतांग दर्रा पहुंचे और बर्फबारी का आनंद लिया। बर्फबारी के बाद रोहतांग दर्रा सैलानियों की पहली पसंद बन गया है। यहां गाड़ी

से उतरकर पर्यटकों को आसानी से बर्फ देखने को मिल रही है। पर्यटक रोहतांग दर्रे के दीदार कर वापसी में कोकसर होते हुए अटल टनल के भी दीदार कर रहे हैं। मंगलवार से ही पर्यटन कारोबार ने गति पकड़ ली थी। मंगलवार को 421, बुधवार को 578, वीरवार को 648 और शुक्रवार को 654, शनिवार को 654 पर्यटक वाहन परमिट लेकर रोहतांग दर्रे में पहुंचे। पर्यटकों की आमद बढ़ने से मनाली के सभी पर्यटन कारोबारियों को राहत मिली है। होटल 30 से 40 प्रतिशत कमरे पैक बताए जा रहे हैं। हालांकि छोटे होटलों की बुकिंग फिलहाल कम ही है। होटलियर एसोसिएशन के चीफ पेटर्न एवं फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र ठाकुर ने कहा कि मनाली की रौनक बढ़ गई है। बुकिंग भी अच्छी चल रही है। इससे प्रतीत हो रहा है कि इस साल नव वर्ष सीजन भी अच्छा रहेगा। एसडीएम मनाली रमन शर्मा ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने बताया कि रोहतांग जाने वाले पर्यटक वाहनों की संख्या भी बढ़ी है। रोहतांग दर्रे में पर्यटकों की आवाजाही मौसम पर निर्भर रहेगी।

एक नज़र

अपराजिता का मुख्यमंत्री को पत्र

संवाददाता

ओड़िशा, भुबनेश्वर। सांसद अपराजिता षाड़ंगी ने पद्मकेशरीपुर, भुवनेश्वर में शांति बहाल करने के लिए मुख्यमंत्री को लिखा पत्र. उन्होंने कहा कि वह कल शाम गांव गये और स्थिति की जांच की. उन्होंने कहा कि गांव के 150 लोगों को गिरफ्तार कर तीन महीने के लिए जेल भेज दिया गया. गाँव में महिलाएँ और बच्चे कम हैं।गांव में भय का माहौल है. अशांति के कारणों का पता लगाने के लिए तुरंत शांति समिति का गठन करें. सरकार की ओर से शांति बहाली के लिए ऐसा कोई प्रयास नहीं किया गया है. अपराजिता षाड़ंगी ने कहा कि मुख्यमंत्री को अविलंब हस्तक्षेप करना चाहिए।

झारखंड-बिहार में बड़े पैमाने पर हो रहा अवैध रेत खनन, प्रकृति के लिए खतरा: केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे

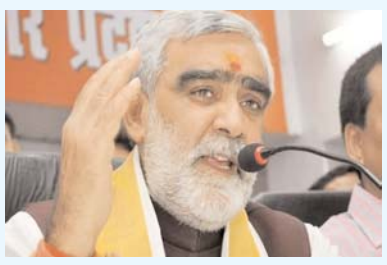

रांची। केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने कहा कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के कई निर्देशों के बावजूद दोनों राज्यों (झारखंड और बिहार) में अवैध खनन बड़े पैमाने पर हो रहा है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने शनिवार को कहा कि झारखंड और बिहार में बड़े पैमाने पर बालू का अवैध खनन हो रहा है। दुमका जिले में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री ने आरोप लगाया कि दोनों राज्यों में अवैध रेत खनन प्रकृति के लिए भी खतरा है। अश्विनी चौबे ने कहा कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के कई निर्देशों के बावजूद दोनों राज्यों (झारखंड और बिहार) में अवैध खनन बड़े पैमाने पर हो रहा है। केंद्रीय मंत्री 15 नवंबर को खूंटी जिले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई भारत संकल्प यात्रा के तहत झारखंड के दो दिवसीय दौरे पर थे। उन्होंने यह भी दावा किया कि दोनों राज्यों में हत्या, दुष्कर्म और अन्य अपराधों की बढ़ती घटनाओं के पीछे अवैध खनन एक प्रमुख कारण है। अवैध खनन भी प्रकृति के लिए बड़ा खतरा है। दिल्ली में प्रदूषण के मुद्दे पर अश्विनी चौबे ने राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता में गिरावट के लिए पंजाब की आप सरकार और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा, पराली जलाना और वाहनों से होने वाला प्रदूषण दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण का प्रमुख कारण है। पराली ज्यादातर पंजाब में जलाई जाती है। अश्विनी चौबे ने कहा कि केजरीवाल ने दावा किया था कि अगर पंजाब में आप की सरकार बनती है तो वहां पराली जलाने की घटनाओं में कमी आएगी। लेकिन हुआ इसके ठीक उलट। वर्तमान में, पंजाब में अधिक पराली जलाई जा रही है। हमारी रिपोर्ट के अनुसार, दो दिन पहले पंजाब में 1,973 स्थानों पर पराली जलाई गई थी, जबकि हरियाणा में केवल 36 स्थानों पर पराली जलाई गई थी, जहां भाजपा की सरकार है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए कई परियोजनाओं पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश के तहत केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने शहरों में 1,000 %नगर वन% विकसित करने का फैसला किया है। मंत्रालय को झारखंड से नगर वन के लिए 33 प्रस्ताव मिले हैं। उन्होंने कहा, मंत्रालय झारखंड के छह शहरों रांची, धनबाद, जमशेदपुर, बोकारो, हजारीबाग और गिरिडीह के लिए परियोजनाओं को पहले ही मंजूरी दे चुका है और 538.51 लाख रुपये जारी कर चुका है. शेष परियोजनाओं में देवघर, गोड्डा और दुमका शामिल हैं।

गिरिडीह में पेड़ से टकराई कार, छह की गई जान, शादी समारोह से लौट रहे थे लोग

झारखण्ड। झारखंड के गिरिडीह से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां के बाघमारा में शनिवार को एक कार पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। वहीं, दो बच्चों सहित तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बाघमारा में शनिवार तड़के करीब तीन बजे उस समय हुई जब वाहन में नौ लोग सवार होकर एक शादी समारोह से लौट रहे थे। गिरिडीह सदर अनुमंडल पुलिस अधिकारी एसडीपीओ अनिल सिंह ने कहा कि कार में सवार लोग बिरनी थाना क्षेत्र के थोरिया गांव से करीब 40 किलोमीटर दूर तिकोडीह में एक समारोह में शामिल होने आए थे और घर लौट रहे थे तभी यह हादसा हुआ। मुफस्सिल थाना प्रभारी कमलेश पासवान ने बताया कि पांच लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया। वहां से गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हादसे में घायल हुए दोनों बच्चों की हालत स्थिर बताई जा रही है। वहीं, मृतकों की पहचान सगीर अंसारी (31), मोहम्मद यूसुफ मियां (72), इम्तियाज अंसारी (47), सुभान अंसारी (31), याकूब अंसारी (62) और आफताब अंसारी (35) के रूप में हुई है।

भगवान भरोसे यूपी का स्वास्थ्य विभाग, दम तोड़ रहे मरीज, सरकार चुनाव में व्यस्त: अखिलेश

संवाददाता

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि डेंगू बुखार और अन्य बीमारियों से हर रोज लोग मर रहे हैं, लेकिन भाजपा सरकार इससे एकदम बेपरवाह है। अस्पतालों में न डॉक्टर हैं और न ही दवाएं हैं। यूपी सरकार बाहर चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। स्वास्थ्य विभाग भगवान भरोसे चल रहा है। अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि मैनपुरी के बिछवां में नौ माह की गर्भवती को इलाज नहीं मिला। जच्चा-बच्चा दोनों की मौत हो गई। राजधानी लखनऊ में पूर्व सांसद के बेटे तक को इलाज नहीं मिला। अव्यवस्था के चलते मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ हो रहा है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि गंभीर मरीजों को समय से इलाज तो दूर स्ट्रेचर तक नहीं मिल पा रहा है। व्हीलचेयर के लिए लोग भटकते रहते हैं। सरकार के संरक्षण में सरकारी अस्पताल और प्राइवेट अस्पतालों की मिलीभगत और उपेक्षा से मरीजों का जीवन संकट में है। समाजवादी सरकार में मरीजों के लिए जो 102 और 108 डायल नंबर एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराई गई थी, उसे बर्बाद कर दिया गया है।

महिलाओं के खिलाफ है भाजपा सरकार

लखनऊ के ईको गार्डन में महिला शिक्षक अभ्यर्थियों के साथ धक्का-मुक्की पर अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार महिलाओं के खिलाफ है। शासन-प्रशासन शक्ति का दुरुपयोग कर रहा है।

विराट, रोहित, गिल और शमी बनने के लिए बहा रहे रहे पसीना, क्रिकेट सीखने वालों की संख्या बढ़ी

शमीम अंसारी संवाददाता

लखनऊ। देश में क्रिकेट अब सिर्फ एक खेल नहीं रह गया है। इसमें एक बेहतरीन करियर है। पैसे के साथ साथ नाम है। ऐसे में नन्हें बच्चों की दिलचस्पी क्रिकेट में बढ़ रही है। वे इसमें अपना फ्यूचर तलाश रहे हैं। इसके लिए नेट पर जमकर मेहनत कर रहे हैं।

क्रिकेट वर्ल्ड कप का असर यहां लखनऊ में मैदान पर भी साफ दिखाई दे रहा है। बीते कुछ महीनों में क्रिकेट सीखने वाले बच्चों की संख्या में खासा इजाफा हुआ है। विराट कोहली, शुभमन गिल, रोहित शर्मा और मोहम्मद शमी जैसा बनने के लिए नन्हें बच्चे सात साल जैसी छोटी उम्र में ही जमकर पसीना बहा रहे हैं। प्रतिदिन तीन से चार घंटे नेट

प्रैक्टिस कर रहे हैं। लखनऊ के के.डी.सिंह बाबू स्टेडियम में क्रिकेट सीखने वाले बच्चों की संख्या पहले से बढ़ती जा रही है। पहले यहां करीब 100 बच्चे प्रैक्टिस करते थे। लेकिन अब इसके दोगुने 200 से अधिक बच्चे प्रैक्टिस कर रहे हैं। इनमें 7 से 9 आयु के खिलाड़ियों की संख्या भी अच्छी खासी है। इनके अलावा लड़कियां भी क्रिकेट सीखने में लड़कों के मुकाबले अब कम नहीं हैं। वे बराबरी से यहां बॉलिंग, बल्लेबाजी और फील्डिंग कर रही हैं।

क्या कहते कोच

इधर, के.डी. सिंह बाबू स्टेडियम मे बच्चों को क्रिकेट की कोचिंग दे रहे कोच मो0 आसिफ रजा खान का कहना है कि क्रिकेट एक जेंटलमैन गेम है। इसमें लड़ाई झगड़ा नहीं है। इसमें कोई भारी खर्चा भी नहीं है, सिवाए अथक मेहनत के। छह और सात साल जैसी कम उम्र में बच्चे बड़ी संख्या में क्रिकेट सीखने आ रहे हैं। सबसे अच्छी बात है कि वे पूरी ईमानदारी और लगन के साथ क्रिकेट सीखते हैं।

विकेटकीपर बनने में रुझान

बच्चों का रुझान विकेटकीपर संग बल्लेबाज बनने की तरफ भी बढ़ा है। महेंद्र सिंह धोनी से बच्चे इंप्रेस नजर आ रहे हैं। उनके साथ ही केएल राहुल भी इस मामले में बच्चों के आदर्श बन रहे हैं। विकेटकीपिंग करने वाले बच्चे कहते हैं, उन्हें विकेट के पीछे गेंद को रिसीव करने में आनंद आता है। डर या खतरा होने के सवाल पर बच्चे कहते हैं कि आप पूरी सुरक्षा के साथ विकेट के पीछे होते हैं। इसमें किसी प्रकार का कोई खतरा नहीं होता। वे पूरी तरह से निडर होकर बॉल को रिसीव करते हैं।

मतदान के बाद उम्मीदवारों ने उतारी थकान, किसी ने किया आराम, तो कोई देवदर्शन पर गया

संवाददाता

इंदौर। राऊ कांग्रेस उम्मीदवार जीतू पटवारी सुबह सायकल लेकर क्षेत्र में निकल पड़े। उसके बाद जिम में पसीना बहाया। कांग्रेस उम्मीदवार सत्यनारायण पटेल दिन भर घर पर रहे। शाम को अपने समर्थकों से मिले। महेंद्र हार्डिया घर पर टीवी पर चुनाव से जुड़े कवरेज देखते रहे। महीनेभर से लगातार चुनाव प्रचार में व्यस्त उम्मीदवारों ने शनिवार को थकान उतारी। कोई देवदर्शन करने गया तो किसी ने घर पर ही आराम किया और परिजनों के साथ वक्त बिताया। एक नंबर के भाजपा उम्मीदवार कैलाश विजयवर्गीय शनिवार सुबह दिल्ली के लिए रवाना हो गए। वहां उन्होंने नेताओं से मुलाकात की। दो नंबर के भाजपा उम्मीदवार रमेश मेंदोला देवदर्शन के लिए शहर से बाहर गए। कांग्रेस

उम्मीदवार संजय शुक्ला परिवार सहित उज्जैन गए और महाकाल की पूजा की। इसके बाद इंदौर लौटकर समर्थकों से मिले।

पटवारी ने बहाया जिम में पसीना

राऊ कांग्रेस उम्मीदवार जीतू पटवारी सुबह सायकल लेकर क्षेत्र में निकल पड़े। उसके बाद जिम में पसीना बहाया। कांग्रेस उम्मीदवार सत्यनारायण पटेल दिन भर घर पर रहे। शाम को अपने समर्थकों से मिले। महेंद्र हार्डिया घर पर टीवी पर चुनाव से जुड़े कवरेज देखते रहे। उन्होंने अपने समर्थकों के साथ बूथवार मतदान के बारे में बातचीत की। चार नंबर विधानसभा सीट के उम्मीदवार राजा मंधवानी सुबह थोड़ी देर से उठे। फिर पेपर पढ़ा। उन्होंने भी ज्यादातर समय परिवार के साथ ही बिताया। तीन नंबर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी गोलू शुक्ला बड़ा गणपति मंदिर में दर्शन करने गए,जबकि कांग्रेस प्रत्याशी पिंटू जोशी एक्टिवा लेकर क्षेत्र में निकल गए और अपने समर्थकों से मुलाकात करते रहे। शाम को वे मंदिर में दर्शन के लिए गए।

कोशल राज्य का दर्जा की मांग 11 जिलों में महाबंद

संवाददाता

ओड़िशा, भुबनेश्वर। ओडीशा मे अलग कोसल राज्य के गठन की मांग को लेकर आज पश्चिम ओडिशा में बंद बुलाया गया है. यह समापन आह्वान कोसल राज्य कार्रवाई गठबंधन समिति द्वारा दिया गया है। संबलपुर के अलावा पश्चिम ओडिशा के अन्य सभी जिलों में इसका असर देखा गया है. यह बंद एक जिले में देखा जा रहा है.सुबह से ही 11 जिलों में इसका असर देखा गया है. सुबह-सुबह प्रदर्शनकारियों ने धरना देकर यातायात रोक दिया। मिली जानकारी के मुताबिक इस महाबंद के आह्वान में आवश्यक सेवाओं, चिकित्सा केंद्रों और परीक्षाओं को बाहर रखा गया है. बलांगीर, बौध, सोनपुर, झारसुगुड़ा, सुंदरगढ़, बारगढ़, कालाहांडी, नुआपाड़ा आदि 11 जिलों में बंदरगाह का प्रभाव है। पश्चिम ओडिशा पर उपेक्षा, मातृत्व विरोधी, भाषा विरोधी का आरोप लगाया जा रहा है और अलग राज्य के गठन की मांग की जा रही है. विशेष कोशल राज्य के गठन एवं कोशल समाज की भावनाओं को लेकर समिति द्वारा इस महाबंद का आह्वान किया गया था। कोसल राज्य समन्वय समिति के अध्यक्ष प्रमोद मिश्र ने कहा कि अलग कोसल राज्य नहीं बना तो संघर्ष जारी रहेगा. विशेष राज्य बनने से क्षेत्र के लोगों की समस्याएं दूर हो जायेंगी. कई संगठन इस आंदोलन में शामिल हुए और महाबंद का आह्वान किया।

जनवरी में निकाय चुनाव की तैयारी सात जिलों की वार्डबंदी का शेड्यूल जारी

संवाददाता

पानीपत (हरियाणा)। पानीपत, करनाल, रोहतक, नगर निकाय चुनाव जनवरी 2024 में कराने की तैयारी है। सरकार ने प्रदेश के सात जिलों में वार्डबंदी का शेड्यूल बनाया है। इसे लेकर शनिवार को निगम और प्रशासनिक अधिकारियों की एक वीडियो कॉन्फ्रेंस हुई, जिसमें तय किया गया कि इस बार पानीपत, करनाल, रोहतक, यमुनानगर, हिसार, जाखल मंडी और पुंडरी में वार्ड बंदी होगी।

वार्ड बंदी की तैयारियों की यह प्रक्रिया 20 नवंबर से शुरू हो जाएगी और 16 जनवरी को इसका फाइनल नोटिफिकेशन जारी होगा। वार्ड बंदी का आधार परिवार पहचान पत्र रहेगा और इसी आधार पर वार्डों की संख्या और सीटों के रिजर्वेशन का भी

निर्धारण होगा। माना जा रहा है कि इस बार शहर में 26 के बजाय 29 से 32 तक वार्ड बनाए जा सकते हैं। चार जनवरी 2024 को नगर निगम का पंचवर्षीय कार्यकाल समाप्त होने जा रहा है। वहीं, आगामी चुनाव को लेकर सरकार ने पहले से ही तैयारी शुरू कर दी है। इससे देरी से होने वाली निकाय चुनाव की अटकलें भी समाप्त हो गई हैं। अधिकारियों का मानना है कि वार्डबंदी में सभी वार्डों में जनसंख्या और क्षेत्रफल को बराबर सीमा में रखा जाएगा।

यह रहेगा वार्डबंदी का शेड्यूल

नई वार्डबंदी के शेड्यूल में 20 नवंबर को शहर के वार्डों की जनसंख्या की मैपिंग की जाएगी। 25 नवंबर को सीटों का निर्धारण होगा। पांच दिसंबर को उपायुक्त एवं निगम उपायुक्त की ओर से गठित एडहॉक कमेटी की बैठक होगी। आठ दिसंबर को नगर निकायों की ओर से वार्ड वार बाउंड्री का हिंदी और अंग्रेजी में नोटिफिकेशन होगा। 12 दिसंबर को प्राथमिक यानी ड्राफ्ट वार्डबंदी प्रकाशित होगी। 22 दिसंबर तक वार्ड बंदी पर आपत्तियां और सुझाव दर्ज करवाए जा सकेंगे। 27 दिसंबर को वार्डबंदी की आपत्तियों और सुझाव को सुनवाई के लिए डीसी के पास भेजा जाएगा। इसके बाद दो जनवरी को फाइनल वार्डबंदी जारी कर दी जाएगी। इसके आधार पर 12 जनवरी को वार्डों के रिजर्वेशन को लेकर एडहॉक कमेटी की बैठक होगी, जिसका अंतिम नोटिफिकेशन 16 जनवरी 2024 को जारी होगा।

12 साल की जनसंख्या की बुनियाद पर हो रही वार्डबंदी

वार्डबंदी में जनसंख्या की गणना को लेकर पीपीपी मुख्य आधार रहेगा। पीपीपी में सभी सदस्यों की गणना एक जनवरी 2023 को आधार मानकर की जाएगी। इस वजह से अबकी बार जनसंख्या का आकलन डोर टू डोर नहीं करना पड़ेगा। इसमें समय की भी काफी बचत होगी। वहीं, निगम 2011 की जनसंख्या का ब्योरा पहले ही निकाय को सौंप चुका है। 2011 से लेकर 2023 की जनसंख्या के फासले पर वार्डबंदी की बुनियाद टिकेगी। इसकी जिम्मेदारी एडीसी कार्यालय को दी गई है।

मोहल्लों और सेक्टर भी होंगे शामिल

2011 में दोनों विधानसभाओं की जनसंख्या करीब 3.7 लाख थी। इसमें शहरी क्षेत्र की करीब सवा दो लाख और ग्रामीण की डेढ़ लाख थी। अब 12 साल बाद की आबादी का परिवार पहचान पत्र के आंकड़ों के साथ मिलान किया जाएगा। इसमें शहर में कुल 143 वैध कॉलोनियों, 22 कॉलोनियों की वह सूची जो नियमित करने के लिए भेजी गई है, समेत करीब सौ से डेढ़ सौ के आसपास के मोहल्लों को वार्डबंदी में शामिल किया जाएगा। इसमें शहर के रिहायशी सेक्टर अलग से रहेंगे। शनिवार को निकाय उच्च अधिकारियों के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में वार्डबंदी को लेकर बैठक हुई है। इसे लेकर जल्द ही सरकार की ओर से नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। इसके आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी। - अरुण भार्गव, डीएमसी, नगर निगम।

चेहरे को बेदाग और खूबसूरत बनाता है तरबूज का जूस

खूबसूरत और बेदाग चेहरा पाने के लिए महिलाएं क्या-क्या नहीं करतीं। लेकिन वे कॉस्मेटिक्स और महंगे प्रॉडक्ट्स के इस्तेमाल के बजाय अगर घरेलू चीजों का इस्तेमाल करें तो उनकी स्किन हेल्दी रहेगी। जब स्किन हेल्दी रहेगी तो फिर उस पर ग्लो भी आएगा और दाग-धब्बे भी दूर हो जाएंगे। जब बात बेदाग चेहरे पाने की हो तो फिर तरबूज का जूस भी कम फायदमेंद नहीं है। अभी तक आपने सिर्फ तरबूज का स्वाद ही चखा है तो अब इसके जूस को स्किन पर लगाकर भी देख लीजिए। तरबूज का जूस दरअसल स्किन के लिए एक टोनर का काम करता है। यह स्किन पर मौजूद गंदगी और अन्य विषैले तत्वों को निकाल देता है और दाग-धब्बे भी दूर करता है। तरबूज में पानी की अत्यधिक मात्रा होती है और इसलिए इसे पीने से स्किन में पानी की कमी नहीं होती। इसके अलावा इसमें कुछ ऐसे तत्व होते हैं जो ऐंटी-एजिंग से बचाते हैं यानी असमय बूढ़ा नहीं होने देते और स्किन को भी जवां रखते हैं। तरबूज का जूस चेहरे से कील-मुंहासे दूर करने में मदद करता है और नई कोशिकाओं के प्रॉडक्शन में मदद करता है। तरबूज का जूस विटमिन ए होता है जो स्किन के रोम छिद्रों को सिकोड़ देता है। इससे सिबेसियस ग्लैंड्स से निकलने वाले ऑइल का प्रॉडक्शन कम हो जाता है और स्किन ज्यादा ऑइली नहीं होती। तरबूज का जूस स्किन को गोरी रंगत देने में भी मदद करता है। इसके लिए आप इसे या तो ऐसे ही स्किन पर लगा लें। नहीं तो आप इसमें थोड़ा-सा दूध मिलाकर भी चेहरे की मालिश कर सकती हैं। दूध को एक उम्दा स्किन क्लेंजर माना जाता है और तरबूज के साथ मिलकर यह स्किन से हर तरह की गंदगी का सफाया कर देता है।

तरबूज़ में मौजूद भरपूर पानी तथा इसकी मिठास शरीर को तरावट देकर स्फूर्ति से भर देते है। इसकी तासीर ठंडी होती है। तरबूज पूरी दुनिया मे बड़े चाव से खाया जाता है। इसकी एक खास बात यह है इसके सभी हिस्से खाने योग्य होते है यानि गूदे के अलावा इसके बीज और इसके छिलके भी खाये जा सकते है। तरबूज के सभी हिस्से पोषक तत्वों से भरपूर होते है।

तरबूज के बीज मगज कहलाते हैं।

क्या गर्भावस्था के दौरान चाट, गोलगप्पे और स्ट्रीट फूड खाना सुरक्षित है?

यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप क्या और किस जगह से खाना चाहती हैं। गर्भावस्था के दौरान स्ट्रीट फूड का सेवन अपने आप में असुरक्षित नहीं है। खतरा भोजन को अस्वच्छ तरीकों और अशुद्ध पानी से तैयार करने की वजह से होने वाले इनफेक्शन या पेट में संक्रमण से होता है। जब आप गर्भवती होती हैं, आपकी प्रतिरक्षण प्रणाली में बदलाव आते हैं और अब उसका मुख्य मकसद गर्भस्थ शिशु की सुरक्षा करना होता है। इस वजह से आप भोजन विषाक्तता (फूड पॉइजनिंग) पैदा करने वाले कीटाणुओं के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाती हैं। वहीं, दूसरी तरफ गर्भावस्था में चटपटी चाट खाने की इच्छा होना स्वाभाविक है। आखिरकार भारत अपनी विभिन्न तरह की चाट और स्ट्रीट फूड के लिए लोकप्रिय है। रेहड़ी/ठेलों पर बिकने वाली खट्टी-मीठी और मसालेदार चाट को खाने के लिए लगभग सभी लालायित रहते हैं। चाट, टिक्की, गोल गप्पे, पकोड़े, भल्ले, वड़े, भेलपूरी, समोसे और भजिया आदि पीढ़ी दर पीढ़ी सभी के पसंदीदा आइटम रहे हैं। बहरहाल, चूंकि आप गर्भवती हैं, इसलिए अपने खाने की इच्छा को शांत करने का सबसे सुरक्षित तरीका है कि स्ट्रीट फूड या चाट को घर पर ही तैयार किया जाए। अधिकांश चीजें घर पर आसानी से बनाई जा सकती हैं और आप इन्हें अपने स्वादानुसार व पोषण की जरुरत के अनुसार तैयार कर सकती हैं।

आप इन्हें बनाने में तेल, नमक व चीनी की कम मात्रा और पौष्टिक सामग्रियों का अधिक इस्तेमाल कर सकती हैं। हालांकि, ये एकदम बाहर मिलने वाली चाट जैसा स्वाद तो नहीं देंगे, मगर यह भी सच है कि आपको इन्हें इस तरह केवल कुछ समय के लिए ही खाना है। आपको केवल गर्भावस्था के कुछ महीनों में अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरुरत है। यदि आप इन खाद्य पदार्थों को घर पर बनाना नहीं चाहतीं, तो आप रेडी-टू-ईट, वैक्यूम सील पैकेट आजमाकर देख सकती हैं। बाजार में इनके बहुत से विकल्प उपलब्ध हैं, सुनिश्चित करें कि आप प्रतिष्ठित ब्रांड का पैकेट चुने और उस पर इस्तेमाल किए जा सकने की तिथि जांच लें। यदि आप वास्तव में स्ट्रीट फूड से दूर नहीं रह पाएं, तो आपको बाहर खाने को लेकर कुछ सावधानियों को ध्यान में रखना होगा।

अनीस बज्मी की 'आंखें 2' पर है तारा की नजर?

नई दिल्ली। तारा सुतारिया ने करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द इयर 2' से बॉलिवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में तारा के काम की काफी तारीफ हुई थी और यंगस्टर्स के बीच भी वह काफी पॉप्युलर हो गईं। इस फिल्म के बाद तारा को कई फिल्मों के ऑफर्स भी आए हैं। तारा इस समय मिलाप झावेरी की फिल्म 'मरजावां' में सिद्धार्थ मल्होत्रा और रितेश देशमुख के साथ काम कर रही हैं। इसके अलावा उन्हें साजिद नाडियाडवाला की फिल्म 'आरएक्स-100' के रीमेक में भी साइन किया गया है। अब अगर रिपोर्ट्स की मानें तो तारा सुतारिया की नजर अनीस बज्मी की आने वाली फिल्म 'आंखें 2' पर भी है। बताया जा रहा है कि तारा ने मंगलवार को अनीस बज्मी से मुलाकात की है। उस समय तारा के साथ उनके बिजनस मैनेजर भी थे। दूसरी तरफ बज्मी ने इस फिल्म के लिए कुछ ऐक्टर्स से मुलाकात की है। बता दें कि अनीस बज्मी पहले ही कह चुके हैं कि वह इस साल में ही 'आंखें 2' शुरू करने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में लंबी-चौड़ी स्टारकास्ट होगी। इससे पहले फिल्म के लिए मेकर्स जैकलीन फर्नांडिस, सैफ अली खान, सनी देओल और विकी कौशल जैसे कई ऐक्टर्स से मुलाकात कर चुके हैं। अब देखना होगा कि क्या तारा सुतारिया इस मल्टी-स्टारर फिल्म में अपनी जगह बना पाती हैं या नहीं। यह फिल्म मशहूर फिल्म 'आंखें' का सीक्वल होगी जिसमें अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, परेश रावल, अर्जुन रामपाल और सुष्मिता सेन ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं।

बाहुबली प्रभास की नई फिल्म का टीजर लांच

मुंबई। बाहुबली की महासफलता के बाद बाहुबली के तौर पर प्रसिद्ध हुए स्टार प्रबास की नई फिल्म साहो का टीजर गुरुवार को सोशल मीडिया पर लांच किया गया। इस बहुभाषी फिल्म में प्रबास की जोडी श्रद्धा कपूर के साथ नजर आएगी। मूल रुप से तेलुगु के साथ तमिल, कन्नड़ और हिंदी में एक साथ बनी ये फिल्म इस साल 15 अगस्त के मौके पर रिलीज होगी। सुजीत इस फिल्म के निर्देशक हैं। फिल्म में बालीवुड के कई और सितारों ने काम किया है, जिनमें जैकी श्राफ, नील नितिन मुकेश और चंकी पांडे हैं। सौ करोड़ से ज्यादा बजट वाली इस फिल्म की शूटिंग हैदराबाद, चेन्नई, मुंबई और आबूधाबी में हुई है। फिल्म को लेकर दावा किया जा रहा है कि साहो में प्रबास ने ऐसा एक्शन किया है, जिसे पहले कभी किसी फिल्म में नहीं देखा गया। बाहुबली के अवतार के विपरीत प्रबास इस फिल्म में आधुनिक अवतार में नजर आएंगे। प्रबास की इस फिल्म को हिंदी सर्किट में करण जौहर की कंपनी धर्मा प्रोडक्शन रिलीज करेगी। इसी कंपनी ने बाहुबली की दोनों कड़ियों को हिंदी राज्यों में रिलीज किया था। चर्चा है कि प्रबास और अनुष्का शेट्टी की जोड़ी को हिंदी फिल्मों के परदे पर लांच करने के लिए करण जौहर की कंपनी ने तीन फिल्मों की योजनाएं तैयार की हैं, जिनमें से प्रबास की पसंद की किसी एक कहानी पर फिल्म बनेगी।

अनमोल विरासतों का गढ़ है असम का शिवसागर

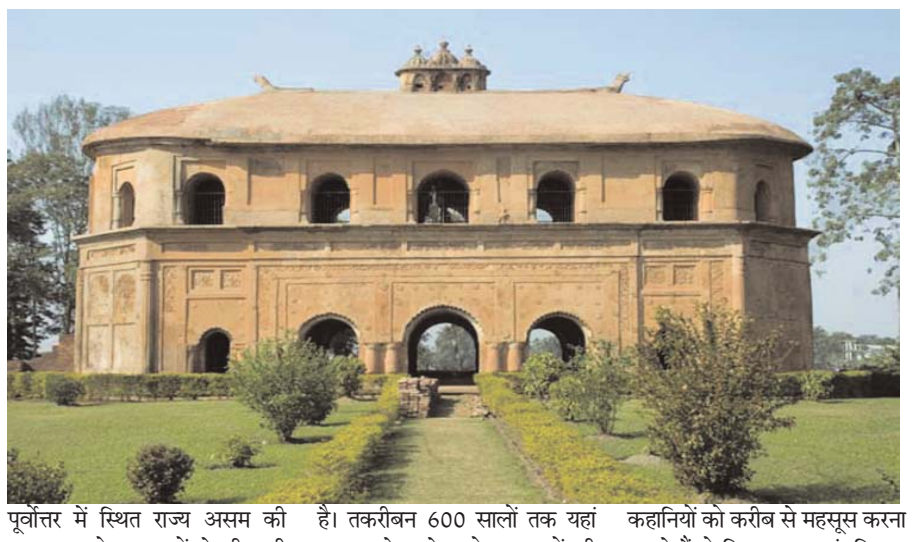

पूर्वोत्तर में स्थित राज्य असम की पहचान अहोम राजाओं से भी जुड़ी है। तकरीबन 600 सालों तक यहां राज करने वाले अहोम राजाओं की कहानियों को करीब से महसूस करना चाहते हैं तो शिवसागर आएं। कितना अच्छा हो कि आप इतिहास को किताबों में पढ़ने के बजाय उसे अपनी आंखों के सामने चलता-फिरता देख सकें। चौंकिए नहीं, ऐतिहासिक स्थलों पर पहुंच कर इतिहास आपकी आंखों के आगे जीवंत हो उठता है। बात हो रही है असम की राजधानी गुवाहाटी से करीब 360 किलोमीटर दूर स्थित शिवसागर की, जहां अहोम राजाओं की निशानियां हर ओर बिखरी हुई दिख जाती हैं। ब्रह्मपुत्र की सहायक नदी दिखू के किनारे स्थित इस स्थान की कुदरती खूबसूरती भी अनछुई है यानी यहां पर्यटकों की भीड़ उतनी नहीं पहुंचती, जितनी किसी आम चर्चित पर्यटन स्थलों में पहुंचती है। बहरहाल, यदि आपकी रुचि अपने देश से जुड़ी विरासतों व संस्कृति को जानने-समझने में है, तो शिवसागर जिला आपको खूब भाएगा। साफ-सुथरी और प्राकृतिक सुंदरता से सजी यहां की अनमोल विरासतों की ठंडी छांव में देर तक रुककर इस स्थान को देखने का आनंद ही कुछ और है। इसी जलाशय के नाम पर शिवसागर जिले का नाम है। यह 129 एकड़ भूभाग में फैला हुआ है। यहां आप नौका विहार यानी बोटिंग का भी आनंद ले सकते हैं। सर्दियों में आने की योजना बने तो यहां प्रवासी पक्षियों के जमावड़े को देख सकते हैं। बेहतरीन फोटोग्राफी की जगह भी है यह। सबसे बड़ा कृत्रिम सरोवर अहोम राजा स्वर्गदेव रुद्र सिंह द्वारा तैयार यह सरोवर असम का सबसे बड़ा कृत्रिम सरोवर है। रुद्र सिंह ने अपनी माता जयमती की याद में इसे तैयार करवाया था। राजा ने सरोवर के उत्तरी छोर पर तीन मंदिर भी बनवाए, जिनमें जयदोल या केशवनारायण विष्णु दोल की खासी चर्चा होती है। इस मंदिर में भगवान विष्णु के अनेक अवतारों की प्रतिमाएं स्थापित हैं। मुख्य मंदिर के पीछे भगवान सूर्य देव तथा भगवान गणेश के मंदिर भी बने हुए हैं। अगर आप देश की कुछ खूबसूरत वास्तुकलाओं को देखना चाहते हैं तो आपको यहां आकर अपार खुशी होगी। यकीनन आप अहोम युग की इस उत्कृष्ट कला की प्रशंसा करने से खुद को नहीं रोक पाएंगे। यह दुमंजिला इमारत शिवसागर जिले के जयसागर इलाके में स्थित तलातल घर से उत्तर-पूर्व की ओर है। इसे अहोम राजा स्वर्गदेव प्रमत्त सिंह ने बनवाया था। अहोम काल में यह राजघराने के सदस्यों के लिए आमोद-प्रमोद और खेल-कूद का स्थल हुआ करता था। इसमें बैठकर वे भैंसा युद्ध, सांड़ युद्ध आदि खेलों का आनंद लिया करते थे। आपको इसकी बनावट खूब लुभाएगी। ऐसा लगता है, जैसे छत पर उलटा करके कोई नाव रख दी गई हो। इसे एशिया की सबसे पुरानी रंगशाला भी माना जाता है। शिवसागर में स्थित शिव दोल भारत के पवित्र तीर्थ स्थलों में एक माना जाता है। इसे पूर्वोत्तर भारत का सबसे ऊंचा शिव मंदिर माना जाता है। इसकी ऊंचाई 104 फीट तथा परिसीमा 195 फीट है। इस भव्य मंदिर से सटे दो अन्य मंदिर भी हैं- देवी दोल और विष्णु दोल, जिनमें देवी दुर्गा और भगवान विष्णु की प्रतिमाएं हैं।

गर्भावस्था के दौरान न खाएं जीरा

स्वामी, प्रकाषक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेषन्स, आषा काम्पलक्े स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एवं पहला तल, निधि काम्पलेक्स, विकास नगर लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाषित।
RNI No.UPHIN/2015/6090 सम्पादक- विवेक श्रीवास्तव, फोन नं0- 8004949556, 7570901365 Email. info@theachievertimes.com किसी भी वाद विवाद का निस्तारण लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।
समाचार-पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टचार् समाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।